राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 158 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, सोमवार, 20 दिसम्बर 2021 | मूल्य: 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

जनविश्वास यात्रा: मथुरा में बोले योगी-पीएम के लिए देश के 135 करोड़ जनता ही परिवार है

मथुरा (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी आज जनविश्वास यात्रा की शुरुआत 6 अलग- अलग जगहों से की है, जिसका कमान पार्टी के शीर्ष नेताओं के हाथ में सौंपा गया है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस यात्रा की शुभारंभ मथुरा से किया। इस दौरान योगी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मैं 5 साल में 19वीं बार मथुरा आया हूं। उन्होंने कहा कि गरीब को घर देना यही हमारा रामराज्य है ।योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास चाहती है । पीएम मोदी ने श्रमिकों का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के लिए भारत के 135 करोड़ जनता ही परिवार है, लेकिन कांग्रेस, सपा, बसपा के लिए उनका अपना व्यक्तिगत परिवार ही देश या प्रदेश है। उस व्यक्तिगत परिवार से उपर ये सोच भी नही सकते है। योगी ने कहा उन लोगों से क्या उम्मीद करते हो, जो विकास के इस मॉडल को स्वीकार नहीं कर सकते।

श्रीनगर में मुठभेड़ में पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। शहर के हरवान इलाके में रविवार तड़के सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना के बाद हरवान में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि तलाश अभियान उस समय मुठभेड़ में बदल गया जब आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं और जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी मारा गया। मृत आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान निवासी सैफुल्ला के रूप में हुई है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने ट्वीट किया, 'मारे गए आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान के कराची निवासी सैफुल्ला के रूप में हुई है जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। उसने 2016 में घुसपैठ की थी और वह हरवान में सक्रिय था तथा कई आतंकी घटनाओं में शामिल था।श् उन्होंने बताया कि श्रीनगर शहर में पिछले 33 दिनों में तीन पाकिस्तानी आतंकवादी मारे जा चुके हैं। कुमार ने कहा, ''वे पुलिसध्सुरक्षा बलों पर हमले तथा आम लोगों की हत्याओं समेत कई आतंकी अपराधों में शामिल थे। यह दिखाता है कि पाकिस्तान, घाटी खास तौर से श्रीनगर शहर में शांति भंग करने पर आमादा है।

लाहौल-स्पीति में कड़ाके की ठंड का दौर जारी, जल शक्ति विभाग की पाइप से लीक होते ही जम गया पानी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिला में इस दिनों खून जमा देने वाली सर्दी पड़ रही है। ऐसे में पानी जम जाने से जल शक्ति विभाग की पाईप लाइनों के भारी सर्दी से फट जाने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। लाहौल स्पीति के केलांग में जल शक्ति विभाग की पाइप में रिसाव के बाद बनी एक मोहक आकृति। लाहौल स्पीति में इन दिनों कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान माइन्स 20 डिग्री तक गिर गया है जिस कारण जन जीवन बुरी तरह प्रभावित है और सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं तथा दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बढ़ गया है।

चुनाव से पहले यूपी में भाजपा के दिग्गजों ने झोंकी पूरी ताकत

यूपी के 6 जिलों से जन विश्वास यात्रा का आगाज

(संवाददाता) लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। सत्तारूढ़ भाजपा एक बार फिर से सत्ता में वापसी के लिए पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में आज पार्टी की ओर से जन विश्वास यात्रा का आगाज किया गया। जन विश्वास यात्रा को उत्तर प्रदेश में 6 जगहों से निकाला गया जिसे पार्टी के दिग्गज नेताओं ने हरी झंडी दिखाई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अंबेडकरनगर में यात्रा को हरी झंडी दिखाई। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मथुरा में मौजूद रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह झांसी में विश्वास यात्रा को हरी झंडी दिखाई तो वहीं केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी बिजनौर से इस यात्रा को विदा किया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बलिया में मौजूद रहे तो वही महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने गाजीपुर में यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान सभी नेताओं ने विशाल जनसभा को संबोधित भी किया। यात्रा के संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि इन यात्राओं के माध्यम से हम भाजपा के केंद्र और राज्य सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों और उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएंगे और यह यात्रा जातिवाद, तुष्टिकरण और वंशवाद की सीमाओं को तोड़ देगी। उन्होंने बताया कि छह यात्राएं प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों से होते हुए गुजरेंगी और जनता के आशीर्वाद से विधानसभा चुनाव में हम 300 से अधिक सीटें जीतकर दोबारा भाजपा की सरकार बनाएंगे। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी ने 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में छह परिवर्तन यात्राओं की शुरुआत की और उस समय की समाजवादी पार्टी की सरकार के खिलाफ परिवर्तन का संकल्प लेकर प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों से यह यात्रा गुजरी। 2017 में भाजपा और सहयोगियों ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सीटों में 325 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने अंबेडकरनगर में यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समाजवादी चिंतक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की जन्मभूमि अंबेडकर नगर से जनविश्वास यात्रा की शुरुआत करते हुए जनसभा में भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा, हम समर्पित भाव से लोगों की सेवा करते हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, ये सिर्फ भाजपा के नेतृत्व में ही संभव है। बाकी किसी राजनीति पार्टी में ये कभी भी संभव नहीं है।'' उन्होंने कहा कि पहले संस्कृति थी कि वोट बंटोरो, भाई को भाई से लड़ाओ, लोगों से वोट लेकर उन्हें भूल जाओ और अगले चुनाव में नए-नए नारे लेकर आ जाओ। अब जनता के बीच जाना, लोगों का विश्वास प्राप्त करना, जो कहा था, वो करके दिखाना, ये संस्कृति मोदी जी ने विकसित की है। देश में सभी राजनीतिक पार्टियां परिवारवाद से ग्रसित हो चुकी हैं। वोटबैंक की राजनीति करती हैं। मोदी जी की सभी योजनाएं एक ही बात को इंगित करती हैं- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास। देश के रक्षा मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह ने आज झांसी में उत्तर प्रदेश चुनाव के मद्देनजर जन विश्वास यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सरकार जो कहती है वह करके दिखाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम जनता से झूठ बोलकर जनता का समर्थन हासिल नहीं करना चाहते हैं।

हम जो बोलते हैं वो करते हैं। आजाद भारत के इतिहास में नेताओं ने जनता से कई वादे किए। उन नेताओं ने अगर अपने वादे पूरे कर दिए होते तो शायद भारत आज दुनिया का ताकतवर देश बन गया होता। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में विश्वास का संकट हमने दूर किया है। हम जो कहते हैं वो करते हैं। आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मथुरा पहुंचे थे जहां उन्होंने जन विश्वास यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

काकोरी कांड शहीदों को योगी ने किया नमन, कहा वीरों का रहा अहम योगदान

(संवाददाता)

लखनऊ। राजधानी के काकोरी शहीद स्मारक पार्क में सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन के वीरों को नमन किया। साथ ही काकोरी शहीद स्मारक स्थल पर काकोरी कांड में शहीद हुए लोगों के परिजनों को भी योगी ने सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे वीरों ने सन् 1925 में काकोरी में ब्रिटिश खजाना लूट कर ब्रिटिश सरकार को चुनौती दी थी। लखनऊ में काकोरी घटना के नायकों में राजेंद्र नाथ लाहिरी, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह वाह अशफाक उल्ला खान को फांसी की सजा सुनाई गई। जिनमें राजेंद्र नाथ लाहिरी को 17 दिसंबर को ही फांसी दी गई थी। वर्ष, 1925 में काकोरी में काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े हुए नायकों ने ब्रिटिश खजाने पर कब्जा जमाकर एक चुनौती ब्रिटिश हुकूमत को दी थी। देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान दिवस पर मैं उनको कोटि-कोटि नमन करता हूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि गोरखपुर के चौरी-चौरा में एक ऐतिहासिक घटना हुई थी। वहां के किसानों, मजदूरों, महिलाओं और नौजवानों ने तब की ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती दी थी। देश की आजादी के लिए अलग-अलग समय वह अलग-अलग स्थानों पर भारत के महापुरुषों और क्रांतिकारियों ने निरंतर प्रयास किए हैं। सन् 1857 मैं आजादी के लिए एक सामूहिक प्रयास हुआ था। गोरखपुर की जेल पंडित राम प्रसाद बिस्मिल जी से उनकी अंतिम इच्छा पूछी गई तो उन्होंने बड़ी बेबाकी से या जवाब दिया था।

कौशल शिक्षा को व्यवस्थित बनाने के लिये राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अर्हता ढांचा ला रही है सरकार

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अर्हता ढांचा (एनएचईक्यूएफ) का मसौदा तैयार किया है, जिसका उद्देश्य देश में व्यावसायिक शिक्षा और सामान्य शिक्षा के बीच एकरूपता लाना एवं कौशल शिक्षा का व्यवस्थित ढांचा तैयार करना है। शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, '' राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के आलोक में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अर्हता ढांचा का मसौदा तैयार किया है और इस पर कौशल विकास मंत्रालय के साथ विचार विमर्श हो रहा है। '' उन्होंने बताया कि प्रस्तावित राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अर्हता ढांचा (एनएचईक्यूएफ) को राष्ट्रीय कौशल पात्रता ढांचा (एनएसक्यूएफ) से जोड़कर व्यावसायिक शिक्षा को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया जायेगा।

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय शिक्षा प्रणाली के वर्तमान परिदृश्य में व्यावसायिक शिक्षा और सामान्य शिक्षा के बीच समकक्षता की कोई प्रणाली नहीं है। व्यावसायिक शिक्षा को अधिक प्रासंगिक बनाने और समाज में इसकी स्वीकार्यता के लिए क्रेडिट आधारित मॉड्यूलर प्रणाली विकसित किये जाने की जरूरत है। फिलहाल देश में 10,859 से अधिक व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में 13 लाख से अधिक छात्र व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कहा गया है कि सभी व्यावसायिक शिक्षाओं को उच्च शिक्षा प्रणाली का अभिन्न अंग बनाया जाएगा। स्वचलित (सेल्फ रन) तकनीकी विश्वविद्यालयों, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयों, कानूनी और कृषि विश्वविद्यालयों आदि को उद्देश्य बहु-विषयक संस्थान बनना होगा। इन उद्देश्यों के लिये राष्ट्रीय कौशल पात्रता ढांचा के अनुरूप राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अर्हता ढांचा तैयार किया जायेगा।

हमारा फोन टेप करा रहे हैं अनुपयोगी मुख्यमंत्री: अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर केंद्रीय संस्थाओं के सहारे विपक्षी नेताओं को धमकाने का रविवार को आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अपना और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं का फोन टेप कराने का भी आरोप लगाया। सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में यादव ने योगी को अनुपयोगी मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार को अनुपयोगी सरकार करार देते हुए आरोप लगाया कि हम सबके फोन सुने जा रहे हैं और अनुपयोगी मुख्यमंत्री खुद शाम को कुछ लोगों की रिकॉर्डिंग सुनते हैं।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, आप लोग भी सावधान रहें अगर हमसे फोन पर बात करते हैं तो जरूर सावधान रहें। सपा प्रमुख ने शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजीव राय के ठिकानों समेत अन्य सपा नेताओं के घरों में आयकर विभाग की छापेमारी पर आक्रोश प्रकट करते हुए कहा, जैसे जैसे भाजपा को हार सताएगी, उत्तर प्रदेश में उनके नेताओं, मुख्यमंत्रियों और दिल्ली से आने वाले नेताओं की संख्या बढ़ जाएगी और इसमें कोई शक नहीं था कि पार्टी आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और भी संस्थाओं का सहारा लेकर हमला करने का काम करेगी। केंद्रीय संस्थाओं का सहारा लेकर सपा कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, अभी तक तो वर्तमान सरकार को हटाने के लिए इन संस्थाओं का इस्तेमाल किया जाता था लेकिन पहली बार देखने को मिल रहा है कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार न बन जाए इसके लिए इन संस्थाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। यादव ने कहा, पूरा देश जानता है कि जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी चुनाव हारने लगती है, इन संस्थाओं को आगे कर देती है।

मोदी-योगी युग में उत्तर प्रदेश दंगे और दबंगों से हुई मुक्त: केंद्रीय मंत्री नकवी

नयी दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि मोदी-योगी में उत्तर प्रदेश दंगे और दबंगों से मुक्त, सुरक्षा-सुशासन से युक्त है। नकवी ने रविवार को यहाँ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश आज दंगे और दबंगों से मुक्त, सुरक्षा-सुशासन से युक्त है।'कट, कमीशन, करप्शन की विरासत और 'दंगों और दबंगों की सियासत पर मोदी और योगी युग ने विराम लगा दिया है। उन्होंने कहा कि बलवाई, बाहुबली, बेईमानी(3बी) के 'बकैती ब्रदरहुड में बौखलाहट स्वाभाविक है, क्योंकि जो '3बी उनकी सरकार में सिकंदर था, वह योगी सरकार में अन्दर है।

नकवी ने कहा कि 'परिवार तंत्र की भक्ति वालों की सत्ता की लालच, '3बीश् की सुरक्षा और समृद्धि के संकल्प से भरपूर है। उन्होंने कहा कि मोदी और योगी युग 'इकबाल, इंसाफ और ईमान का युग है जहां समावेशी विकास, सर्वस्पर्शी सशक्तिकरण, देश की सुरक्षा, समृद्धि प्राथमिकता है।

कोलकाता नगर निगम चुनाव

सियालदाह इलाके में वोटिंग के दौरान बम हमले, 3 मतदाता घायल

(एजेंसी)

कोलकाता। कोलकाता के सियालदाह इलाके में रविवार को नगर निगम चुनाव के दौरान बम फेंके गए जिसमें तीन मतदाता घायल हो गए और उनमें से एक की हालत गंभीर है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक घायल व्यक्ति ने अपना पैर गंवा दिया है तथा दो अन्य का भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि यह घटना मतदान के दौरान वार्ड नंबर 36 में ताकी स्कूल के सामने हुई और तीनों घायल लोग संबंधित क्षेत्र के मतदाता हैं। अधिकारी ने कहा, ''दो बम फेंके गए और हम दोषियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और राज्य निर्वाचन आयोग ने इस मामले में पुलिस से रिपोर्ट मांगी है।

वहीं, कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के सभी 144 वार्ड में रविवार सुबह सात बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और कोविड-19 दिशा निर्देशों के सख्ती से पालन के बीच मतदान शुरू हुआ। 4959 मतदान केंद्रों पर मतदान हो रहा है और यह शाम 5 बजे तक चलेगा। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस लगातार तीसरी बार निकाय बोर्ड में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) भी चुनाव मैदान में हैं। मतगणना 21 दिसंबर को होगी।

विधानसभा चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड में करीब 150 भाजपा नेताओं की तैनाती

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव करीब आने के साथ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 150 से अधिक वरिष्ठ नेता, पार्टी की जीत के लिए काम करने के लिए दिल्ली से दोनों राज्यों में जा रहे हैं। यहां भाजपा नेताओं ने कहा कि 100 से अधिक वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 44 विधानसभा क्षेत्रों में जिला प्रभारी के तौर पर काम करने के लिए तैनात किया गया है। ये नेता प्रचार को दिशा देने, प्रचार-अभियान में समन्वय स्थापित करने के साथ ही बूथ प्रबंधन का काम देखेंगे। जिला और विधानसभा क्षेत्र स्तर पर कार्यरत भाजपा नेताओं की टीम की निगरानी भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और वर्तमान महासचिव दिनेश प्रताप सिंह करेंगे। उत्तर प्रदेश में तैनात दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, जहां पार्टी चुनाव लड़ रही है वहां मदद के लिए विभिन्न राज्यों के नेताओं को भेजने की प्रक्रिया सामान्य है। दिल्ली से उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की निकटता का मतलब है कि वहां काम करने वाले हमारे नेताओं का जमीनी स्तर पर कुछ प्रभाव होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के नेताओं की टीम, नौ जिलों के इन 44 विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम 50 दिन स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर पार्टी की संगठनात्मक और बूथ प्रबंधन रणनीतियों को मजबूत करने में बिताएगी। नेता ने कहा, उत्तर प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इन 44 में से 32 सीटों पर जीत हासिल की थी। हमारा लक्ष्य सिर्फ उन्हें बरकरार रखना ही नहीं बल्कि उनकी संख्या बढ़ाना भी है। दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, अशोक गोयल देवराहा और सुनील यादव, प्रवक्ता विक्रम बिधूड़ी, आदित्य झा, मोहन लाल गोहरा और ब्रजेश राय, पूर्व महापौर जय प्रकाश जेपी उत्तर प्रदेश में तैनात हैं। उत्तराखंड में चुनाव प्रचार के लिए स्थानीय नेताओं के साथ समन्वय के लिए दिल्ली भाजपा के 60 नेताओं को तैनात किया गया है।

पेंशनभोगियों की शिकायतों के निस्तारण में देरी पर समिति ने जतायी चिंता

(एजेंसी) नयी दिल्ली। संसद की एक समिति ने पेंशनभोगियों की शिकायतों का निस्तारण 60 दिनों की निर्धारित समय सीमा में नहीं किये जाने पर चिंता व्यक्त की है और केंद्र से मुख्य शिकायतों वाले क्षेत्रों की पहचान करने तथा उनकी व्यवस्था को कारगर बनाने के लिए सामाजिक ऑडिट पैनल गठित करने को कहा है। पिछले कुछ वर्षों में पुन: पंजीकृत शिकायतों की संख्या में भारी वृद्धि को देखते हुए, समिति ने एक जवाबदेही तंत्र स्थापित करने और उचित गुणात्मक कार्रवाई के बिना शिकायतों को सरसरी तौर पर निस्तारित करने के लिए संबंधित शिकायत निवारण अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने की व्यवहार्यता का पता लगाने का सुझाव दिया। इसने सरकार से पेंशनभोगी संघों की 65 वर्ष की आयु पर पांच प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन, 70 वर्ष पर 10 प्रतिशत, 75 वर्ष पर 15 प्रतिशत और 80 वर्ष पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन की मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के लिए भी कहा। विभाग से संबंधित कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन संबंधी संसद की स्थायी समिति ने यह सिफारिशें पेंशनभोगियों की शिकायतें-पेंशन अदालतों का प्रभाव और केंद्रीकृत पेंशनभोगी शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीईएनजीआरएएमएस) शीर्षक की अपनी रिपोर्ट में किया है।

भारत में ओमीक्रोन के कुल मामले बढ़कर 145 हुए

(एजेंसी)

नयी दिल्ली/मुंबई। ब्रिटेन से हाल में गुजरात लौटे 45 वर्षीय एक अनिवासी भारतीय और एक किशोर के कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित पाये जाने के बाद भारत में इसके कुल मामले बढ़कर रविवार को 145 हो गए। केंद्र और राज्य के अधिकारियों के अनुसार, 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों - महाराष्ट्र (48), दिल्ली (22), राजस्थान (17), कर्नाटक (14), तेलंगाना (20), गुजरात (9), केरल (11), आंध्र प्रदेश (1), चंडीगढ़ (1), तमिलनाडु (1) और पश्चिम बंगाल (1) में ओमीक्रोन के मामलों का पता चला है। शनिवार को महाराष्ट्र में आठ और मामले सामने आये थे, वहीं तेलंगाना में ओमीक्रोन मामलों की संख्या आठ से बढ़कर 20 हो गई, जबकि कर्नाटक और केरल में क्रमश: छह और चार मामले सामने आये। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि गुजरात में एक अनिवासी भारतीय की 15 दिसंबर को ब्रिटेन से आने के बाद अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आरटी-पीसीआर जांच की गई, जिसमें वह संक्रमित पाया गया। आणंद जिले के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम टी छारी ने कहा, ''व्यक्ति के नमूने की बाद में की गई जांच में इसके ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित होने का पता चला।'' उक्त व्यक्ति को अहमदाबाद से राज्य के आणंद जाने का कार्यक्रम था। डॉ छारी ने कहा, ''हालांकि, उसके कोरोना वायरस से संक्रमित होने का पता चलने के बाद, उसे हवाई अड्डे से अहमदाबाद के सिविल अस्पताल ले जाया गया। मरीज का वर्तमान में अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।'' अधिकारी ने कहा कि इस व्यक्ति के सह-यात्री और उसके सम्पर्क में आये अन्य व्यक्ति की कोरोना वायरस जांच रिपोर्ट निगेटिव आयी है। गांधीनगर के नगर आयुक्त धवल पटेल ने कहा कि ब्रिटेन से लौटने के बाद गांधीनगर का एक 15 वर्षीय किशोर ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित पाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के आठ नए मामले सामने आये, जिससे राज्य में ऐसे मामलों की कुल संख्या बढ़कर 48 हो गई। इसने कहा कि इनमें से 28 मरीज पहले ही ठीक हो चुके हैं या उनकी बाद की कोविड -19 जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि कर्नाटक में शनिवार को सामने आये छह मामलों में से एक ब्रिटेन से यात्री है, जबकि पांच अन्य दक्षिण कन्नड़ जिले के दो शैक्षणिक संस्थानों में कोविड -19 से संक्रमित मिले व्यक्तियों में शामिल हैं। केरल में, तिरुवनंतपुरम से कोरोना वायरस के नए प्रकार के दो मामले सामने आये हैं, जो 17 और 44 वर्ष की आयु के व्यक्ति हैं। एक मामला मालप्पुरम में 37 वर्ष की आयु के व्यक्ति का है, जबकि दूसरा त्रिशूर जिले के 49 वर्षीय व्यक्ति का है। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का सबसे पहले पता 24 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में चला था, भारत में इसके पहले दो मामले कर्नाटक में 2 दिसंबर को सामने आये थे।

छात्रों से भरी कार पर की गई जमकर गोलीबारी, एक की मौत, दो घायल

एजेंसी, यरुशलम। फलस्तीन के बंदूकधारी ने वेस्ट बैंक में एक बस्ती की चौकी के बगल में यहूदी विद्यालय के छात्रों से भरी कार पर बृहस्पतिवार रात को गोलीबारी कर दी, जिसमें एक इजराइली शख्स की मौत हो गयी और दो अन्य लोग मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइली नेताओं ने हमलावर को पकड़ने का आह्वान किया और सेना ने कहा कि उसने तलाश अभियान के तौर पर इलाके में अतिरिक्त सैनिकों को भेजा है। प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा, ''सुरक्षाबल जल्द ही आतंकवादियों को पकड़ लेंगे और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सजा दी जाए।'' यह घटना उत्तरी वेस्ट बैंक में पूर्व की एक बस्ती होमेश के समीप हुई। गाजा पट्टी से 2005 में इजराइल की वापसी के तौर पर इस बस्ती को ध्वस्त कर दिया गया था। हालांकि, हाल के वर्षों में वहां रह रहे लोगों ने एक अवैध चौकी बना ली है। यह वेस्ट बैंक में उन दर्जनों चौकियों में से एक है जिन्हें इजराइल गैरकानूनी मानता है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एमनन शेफलर ने कहा कि चौकी में एक यहूदी विद्यालय से निकलने के बाद कार में बैठे यात्रियों पर गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि कार पर करीब 10 गोलियां दागी गयी। उन्होंने बताया कि अभी यह पता नहीं चला है कि क्या हमलावरों की संख्या एक थी या अधिक और क्या हमलावर ने अकेले इस वारदात को अंजाम दिया या उसे किसी संगठित आतंकवादी समूह ने भेजा था। अभी किसी ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन गाजा पट्टी पर शासन करने वाले समूह हमास ने इस हमले की प्रशंसा की है।

सायरन बजने पर उत्तर कोरिया के लोग हुए मौन

अपने पिता की मौत पर नहीं रोने वालों को मरवा दी थी गोलियां, अब सनकी तानाशाह ने उनकी 10वीं पुण्यतिथि पर हंसने पर लगाई रोक

एजेंसी, सियोल। उत्तर कोरिया ने अपने पूर्व नेता किम जोंग इल की 10वीं पुण्यतिथि पर उनके बेटे एवं वर्तमान नेता किम जोंग उन के प्रति लोगों से अधिक से अधिक वफादारी दिखाने का आह्वान किया। किम जोंग उन देश को महामारी से संबंधित कठिनाइयों से बाहर निकालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अपने पिता की मृत्यु के बाद से उत्तर कोरिया के शीर्ष पद पर अपने 10 वर्ष के कार्यकाल में 37 वर्षीय किम जोंग उन को किम जोंग इल और किम इल सुंग (वर्तमान नेता के दादा और देश के संस्थापक) की तरह ही पूर्ण शक्ति हासिल है। कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिए कठोर उपायों और अमेरिका से टकराव के कारण खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद उत्तर कोरिया में राजनीतिक अस्थिरता नहीं दिखी है और कुछ विश्लेषक सत्ता पर किम की पकड़ को लेकर सवाल भी करते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि किम जोंग उन के शासन की दीर्घकालिक स्थिरता पर तब भी सवाल उठाया जा सकता है अगर वह मौजूदा कठिनाइयों को दूर करने और लोगों के जीवन में सुधार करने के लिए कदम उठाने में विफल रहते हैं। दोपहर में तीन मिनट के लिए सायरन बजने पर उत्तर कोरिया के लोगों ने मौन रखा और किम जोंग इल के सम्मान में सिर झुकाया। कारों, ट्रेनों और जहाजों ने अपने हॉर्न बजाये, राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुका दिया गया। किम जोंग इल और किम इल सुंग की विशाल मूर्तियों के सामने फूल चढ़ाने और नमन करने के लिए लोग प्योंगयांग के मानसू पर्वत पर गए। हर बार पुण्यतिथि पर किम जोंग उन एक मकबरे पर जाते हैं जहां किम जोंग इल और किम इल सुंग की कब्र है। इससे पहले किम जोंग उन ने पहली और पांचवीं पुण्यतिथि के दौरान अपने पिता का सम्मान में राष्ट्रीय बैठकें भी बुलाई थी। उनसे इस साल भी ऐसा ही करने की उम्मीद थी लेकिन उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने दोपहर तक किम जोंग उन की किसी भी सार्वजनिक गतिविधि पर खबर नहीं दी। उत्तर कोरिया के 'रोडोंग सिनमुन' अखबार ने एक संपादकीय में कहा, ''हमें आदरणीय कॉमरेड किम जोंग उन के पीछे एकजुट होकर एकता को मजबूत करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।'' सरकार के नियंत्रण वाले अखबारों ने किम जोंग इल का सम्मान करते हुए लेख प्रकाशित किए और किम जोंग उन के प्रति ज्यादा एकजुटता दिखाने का आह्वान किया, जबकि सरकारी टीवी पर दिवंगत नेता से संबंधित प्रचार गीत और वृत्तचित्र फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इस वर्ष की पुण्यतिथि के समय किम जोंग उन कोरोना वायरस महामारी, संयुक्त राष्ट्र के लगातार प्रतिबंधों और कुप्रबंधन के कारण अपने शासन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। दक्षिण कोरियाई सरकार के अनुमानों के अनुसार, पिछले साल, उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था को 1997 के बाद से सबसे बड़ी मंदी का सामना करना पड़ा, वहीं किम के पदभार संभालने के बाद से देश का अनाज उत्पादन भी अपने सबसे निचले स्तर पर है।उत्तर कोरिया में किम जोंग उन का हैरान करने वाला फरमान सामने आया है। पूर्व नेता किम जोंग इल की 10वीं पुण्यतिथि पर फरमान जारी करते हुए लोगों के हंसने पर प्रतिबंध लगा दिया है। तानाशाह किम ने आदेश जारी किया है जिसके तहत उत्तर कोरिया के नागरिकों के 10 दिनों के लिए हंसने पर रोक लगा दिया गया है। सीमावर्ती शहर सिनुइजू के निवासी ने रेडियो फ्री एशिया को बताया कि उत्तर कोरियाई लोगों को शराब पीने, हंसने, किराने का सामान खरीदने या अवकाश गतिविधियों में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अगर कोई कानून तोड़ता है और हंसता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश है। अतीत में शोक की अवधि के दौरान शराब पीने या नशे में पकड़े जाने वाले कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उन्हें वैचारिक अपराधियों के रूप में माना जाता था। फिर उन्हें ले जाया गया और फिर कभी नहीं देखा गया। हालांकि, एक अन्य सूत्र ने दावा किया कि पुलिस ने शोक की अवधि के लिए ष्उचित मूडष् सुनिश्चित करने के लिए महीने की शुरुआत में एक समान जनादेश लागू किया। इनमें उनकी फोटोग्राफी और कला का एक सार्वजनिक प्रदर्शन, एक संगीत कार्यक्रम और उनके नाम पर एक फूल किमजोंगिलिया की प्रदर्शनी शामिल है। साल 2011 में दिसंबर का सर्द महीना था दुनिया पर नये साल की खुमारी चढ़ने लगी लेकिन नार्थ कोरिया में सन्नाटा पसरा था। किम जोंग उन अपनी छोटी बहन किम यो जोंग के साथ प्योंगयांग काउंटी के पुस्तैनी विला में था। सामने नार्थ कोरिया का दूसरा तानशाह किम जोंग इल आखिरी सांसे गिन रहा था। घड़ी की सुइयों ने जैसे ही 11 के कांटे को छुआ। किम जोंग उन के तानाशाह पिता की मौत हो गई। नार्थ कोरिया में मातम पसर गया। जब किम के पिता की हार्ट अटैक से मौत हुई तो बाहर की दुनिया में किसी को इस बात की खबर नहीं थी। इसकी खबर दो दिन बाद बाहरी दुनिया को नार्थ कोरिया द्वारा खुद बताए जाने के बाद ही पता चला। उस वक्त किम चाहता था कि उसके पिता का जब जनाजा निकले तो हर कोई रोए। लेकिन बहुत से ऐसे भी थे जो जनाजे में रोए नहीं। ऐसे लोगों को किम ने गोली मरवा दी थी।

राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका

आतंकवाद पर अमेरिका ने पाकिस्तान को किया बेनकाब, खुलेआम घूम रहे लश्कर-जैश के आतंकी

एजेंसी, आतंकवाद पर पाकिस्तान का चेहरा एक बार फिर बेनकाब हो गया है। इस बार अमेरिका की एक रिपोर्ट ने पाकिस्तान की पोल दुनिया के सामने खोल दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने आतंकवाद पर एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें पाकिस्तान के असली चेहरे का पर्दा फाश किया है। कंट्री रिपोर्ट्स ऑन टैररिज्म 2020 में साफ तौर पर पाकिस्तान को आतंकवाद रोकने के मामले में फेल स्टेट करार दिया है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान ने आतंकवाद से लड़ने के लिए सीमित काम किया। आतंकवादियों पर मुकदमा चलाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। रिपोर्ट में पाकिस्तान पर निधाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तान की धरती से कई आतंकवादी संगठन ऑपरेट किए जा रहे हैं। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठन भारत के खिलाफ लगातार काम कर रहे हैं। पाकिस्तान ने जैश के मसूद अजहर और लश्कर के साजिद मीर जैसे आतंकवादियों पर मुकदमा चलाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए। ऐसा माना जाता है कि अजहर और मीर दोनों पाकिस्तान में निर्बाध घूम रहे हैं। इसमें कहा गया है कि फरवरी और फिर नवंबर में लाहौर की एक आतंकवादी रोधी अदालत ने लैश्कर-ए-तैयबा संस्थापक हाफिज सईद को आतंकवाद के वित्त पोषण के कई आरोपों में दोषी ठहराया और उसे साढ़े पांच साल के कारावास की सजा सुनाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की कार्य योजना को पूरा करने की दिशा में 2020 में अतिरिक्त प्रगति की लेकिन कार्य योजना के सभी कामों को पूरा नहीं किया और वह एफटीएफकी ''ग्रे सूची'' में बना हुआ है। रिपोर्ट ने भारत की तारीफकरते हुए कहा कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों के खतरे को रोकने में कारगर हैं। रिपोर्ट में इस बात का भी दावा किया गया है कि खूंखार आतंकी संगठन आईएसआईएस में भारतीय मूल के आतंकियों ने गहरी पैठ बना ली है। नवंबर तक जारी आंकड़ों के अनुसार आईएसआईएस में भारतीय मूल के 66 आतंकियों की पहचान की जा चुकी है।

प्यार में लोगों को दीवाने होते तो सुना था

लेकिन चीन प्रेम ने तो पाकिस्तान को दिवालिया बना दिया

एजेंसी, प्यार में तो लोगों को दीवाना होते कई बार सुना है। लेकिन पाकिस्तान एकलौता ऐसा देश है जो अपने चीन प्रेम की वजह से दिवालिया हो चुका है। ये तो कई दिनों से सामने आ रहा है कि सरकार के पास देश चलाने के लिए भी पैसे नहीं है। पाकिस्तानी कप्तान ने स्वीकारा है कि उनकी हुकूमत के पास देश चलाने तक के लिए पैसा नहीं है। इसलिए विदेशों के सामने झोली फैलानी पड़ रही है।

लेकिन अब आतंक के पनाहगाह वाले देश के दिवालिया होने की बात भी सामने आने लगी है और इसकी वजह है चीन का महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट। दरअसल, पाकिस्तान के संघीय राजस्व बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शब्बर जैदी ने कहा है कि उनका देश 'दिवालिया' हो चुका है और 'भ्रम में रहने' से बेहतर है कि वास्तविकता को पहचाना जाए। बता दें कि जैदी 10 मई 2019 से छह जनवरी 2020 तक शीर्ष कर प्राधिकरण के अध्यक्ष थे। उन्होंने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) परियोजना में पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा कि वह खुद अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि सीपीईसी क्या है। उन्होंने हां हमदर्द विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार में हर कोई कह रहा है कि सब कुछ अच्छा है, जबकि उनके विचार में इस समय पाकिस्तान दिवालिया है। पाकिस्तान की माली हालत खस्ता है और पाकिस्तान फेडरल बोर्ड ऑफरेवन्यू के पहले टैक एंड ट्रेस सिस्टम उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए इमरान खान ने कहा कि देश चलाने के लिए पर्याप्त पैसा न होना सबसे बड़ी चुनौती है जिसकी वजह से उधार लेना पड़ता है। इमरान खान ने पैसों की तंगी की वजह टैक्स कलेक्शन में कमी और बढ़ते विदेशी कर्ज को बताते हुए कहा कि ये पाकिस्तान की सुरक्षा का राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है।

पाक : महापौर नगर परिषद के चुनाव से पहले एएनपी उम्मीदवार की हत्या

एजेंसी ■ पेशावर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को होने वाले महापौर नगर परिषद के चुनाव से पहले अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) के एक उम्मीदवार की अज्ञात हमलावरों ने प्रचार के दौरान उनके निर्वाचन क्षेत्र में गोली मारकर हत्या कर दी। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी।

जिला पुलिस अधिकारी नजमुल हसनैन ने बताया कि दक्षिण वजीरिस्तान कबायली जिले से लगते डेरा इस्माइल खान जिले के मॉडल टाउन इलाके में शुक्रवार देर रात उमर खिताब शेरानी चुनाव प्रचार कर रहे थे, तभी हमलावरों ने उनपर हमला करके उनकी हत्या कर दी। उल्लेखनीय है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के 17 जिलों में 19 दिसंबर को मतदान होने हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना जारी कर जिले में होने वाले महापौर नगरपरिषद के चुनाव को रद्द कर दिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पूरे इलाके की तलाशी ली जा रही है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री महमूद खान ने घटना का संज्ञान लेते हुए हत्याकांड की तत्काल जांच करने के आदेश दिए हैं।

अफ्गानिस्तान में बिगड़ती मानवीय स्थिति से निपटने पर सहमति बनने की उम्मीदः कुरैशी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शनिवार को कहा कि अफगानिस्तान में बिगड़ते हालात पर अंततः विश्व ध्यान दे रहा है और उन्हें ओआईसी के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक में पड़ोसी देश में मानवीय संकट से निपटने के लिए आम सहमति बनने की उम्मीद है। अफगानिस्तान के हालात पर चर्चा के लिए इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) का 17वां असाधारण सत्र रविवार को होने वाला है। कुरैशी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मानवीय संकट और आर्थिक पतन के कारण अफगानिस्तान के मुद्दे पर अंततः विश्व का ध्यान जा रहा है जिसका उल्लेख पाकिस्तान द्वारा बार-बार किया गया है। कुरैशी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि पाकिस्तान अन्य मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों के साथ मिलकर उस आम सहमति को बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ेगा।

पाकिस्तान के कराची में विस्फोट में 12 लोगों की मौत

एजेंसी ■ कराची/इस्लामाबाद

पाकिस्तान की वित्तीय राजधानी कराची में सीवेज प्रणाली में हुए भीषण गैस विस्फोट में शनिवार को कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई जबकि 11 अन्य घायल हो गए। अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक कराची के शेरशाह इलाके में इस निजी बैंक की इमारत ढंके हुए सीवर के ऊपर बनी हुई थी और विस्फोट के हताहतों में ज्यादातर बैंक के ग्राहक और कर्मचारी हैं।

कराची के प्रशासक मुर्तजा वहाब ने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। वहाब ने ट्वीट किया, शेरशाह इलाके में विस्फोट में 10 लोगों के शव बरामद किए गए हैं जबकि 11 लोग घायल हो गए। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और घायलों को आवश्यक उपचार मुहैया कराया जा रहा है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा कि विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है। दक्षिण क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) शरजील खरल ने कहा, हमें नहीं पता कि यह गैस विस्फोट था या नहीं। हमारी पहली प्राथमिकता बचाव अभियान है और फिर हम विस्फोट के कारण का पता लगा सकते हैं।

विस्फोट के फुटेज में क्षतिग्रस्त वाहनों के साथ एक क्षतिग्रस्त इमारत और जमीन पर मलबा दिखाई दिखा, वहीं बचावकर्मी घायलों को निकालने की कोशिश कर रहे थे। जियो टीवी के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि क्षतिग्रस्त इमारत के मलबे के नीचे कई लोग दबे हुए हैं। मलबा हटाने और उसमें फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए दो मशीन भी घटनास्थल के लिए भेजी गई। जियो टीवी की रिपोर्ट में कहा गया है कि एक बम निरोधक इकाई (बीडीयू) भी उस स्थान पर पहुंच गई है और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है।

अफ्गानिस्तान में बिगड़ती मानवीय स्थिति से निपटने पर सहमति बनने की उम्मीदः कुरैशी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शनिवार को कहा कि अफगानिस्तान में बिगड़ते हालात पर अंततः विश्व ध्यान दे रहा है और उन्हें ओआईसी के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक में पड़ोसी देश में मानवीय संकट से निपटने के लिए आम सहमति बनने की उम्मीद है। अफगानिस्तान के हालात पर चर्चा के लिए इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) का 17वां असाधारण सत्र रविवार को होने वाला है। कुरैशी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मानवीय संकट और आर्थिक पतन के कारण अफगानिस्तान के मुद्दे पर अंततः विश्व का ध्यान जा रहा है जिसका उल्लेख पाकिस्तान द्वारा बार-बार किया गया है। कुरैशी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि पाकिस्तान अन्य मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों के साथ मिलकर उस आम सहमति को बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ेगा।

सिंगापुर में घरेलू सहायिका से दुर्व्यवहार पर भारतीय मूल के दंपत्ति को कारावास

एजेंसी ■ सिंगापुर

सिंगापुर की एक अदालत ने जनशक्ति मंत्रालय (एमओएम) द्वारा काली सूची में डाले जाने के बावजूद एक घरेलू सहायिका को काम पर रखने और न्याय प्रक्रिया को बाधित करने के मामले में भारतीय मूल के एक दंपत्ति को शुक्रवार को कारावास की सजा सुनाई।

सैयद मोहम्मद पीरन सैयद अमीर हमजा ने एक इंडोनेशियाई घरेलू सहायिका को काम पर रखने के लिए अपने व्यापारिक सहयोगी की पहचान का उपयोग करके मंत्रालय की काली सूची की अवहेलना की। उसे 36 सप्ताह या लगभग आठ महीने कारावास की सजा दी गई है। 41 वर्षीय हमजा ने न्याय प्रक्रिया में बाधा डालने और एक कामकाजी पास हासिल करने के लिए अपने सहयोगी को झूठी सूचना देने के लिए उकसाने के आरोप स्वीकार किए हैं। हमजा की पत्नी सबा परवीन (37) भारत की स्थाई निवासी है और न्याय को बाधित करने का जुर्म स्वीकार करने के बाद उसे तीन दिन के कारावास की सजा सुनाई गई। दंपत्ति की इंडोनेशियाई घरेलू सहायिका अमीना ने शिकायत दर्ज कराई थी कि दंपत्ति ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया।

टुडे समाचार पत्र ने बताया कि अदालत ने अमीना को संपूर्ण वेतन का भुगतान नहीं करने के आरोप को भी सजा सुनाते समय ध्यान में रखा। इसके अलावा डिस्ट्रिक्ट जज जेनिफर मैरी ने अमीना को प्रतिदिन पर्याप्त आराम नहीं दिए जाने के मामले में दंपत्ति को रिहा किए जाने के बाद भी बरी नहीं करने का फैसला सुनाया। इसका अर्थ है कि यदि उनके खिलाफ नए सबूत सामने आते हैं तो भविष्य में इन आरोपों के तहत उनके विरुद्ध मुकदमा चलाया जा सकता है। सबा को 2014 में भी अपनी घरेलू सहायिका को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का दोषी पाया गया था और दंपत्ति को 30 जून, 2019 तक काली सूची में डाल दिया गया था, यानी वे इस अवधि तक विदेशी घरेलू कर्मियों को काम पर नहीं रख सकते।

अनदेखी एक वरिष्ठ राजनयिक ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पश्चिम ने अनदेखी की तो रूस कदम उठाएगा: रूसी राजनयिक

एजेंसी ■ मॉस्को

रूस, अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा उत्तेजित कार्रवाई करना जारी रखने और नाटो के यूक्रेन में विस्तार को रोकने संबंधी गारंटी की मांग को अनदेखा किए जाने की स्थिति में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नए उपाय कर सकता है। एक वरिष्ठ राजनयिक ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उप विदेश मंत्री सर्गेई ग्याबकोव ने पश्चिमी सहयोगियों पर रूस के साथ संबंधों में तनाव को लगातार बढ़ाने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर पश्चिम ने उसकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया तो रूस भी कदम उठा सकता है। इंटरफैक्स समाचार एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में ग्याबकोव का बयान रूस द्वारा सुरक्षा दस्तावेजों का मसौदा प्रस्तुत करने के एक दिन बाद आया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ वीडियो कॉल में सुरक्षा गारंटी की मांग उठाई थी। बातचीत के दौरान, बाइडन ने यूक्रेन के पास रूसी सैनिकों की तैनाती के बारे में चिंता व्यक्त की थी और उन्हें चेतावनी दी थी कि अगर मॉस्को ने अपने पड़ोसी पर हमला किया तो रूस को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ग्याबकोव ने मॉस्को के खिलाफ सख्त नए पश्चिमी प्रतिबंधों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में इंटरफैक्स को बताया, रूस के संबंध में वे जो संभव है उसकी सीमा बढ़ा रहे हैं। ग्याबकोव ने कहा, लेकिन वे इस बात पर विचार करने में विफल रहे कि हम अपनी सुरक्षा का ध्यान रखेंगे। हम अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी तरीके, साधन और समाधान ढूंढेंगे। उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि अगर पश्चिम द्वारा उसकी मांगों को खारिज कर दिया जाता है तो रूस क्या कार्वाई कर सकता है। उन्होंने कहा, हम संघर्ष नहीं चाहते। हम एक उचित आधार पर एक समझौते पर पहुंचना चाहते हैं।

इंडोनेशिया ने सेमेरु ज्वालामुखी के लिए अलर्ट जारी किया

एजेंसी ■ जकार्ता

इंडोनेशियाई प्राधिकारियों ने जावा द्वीप में सर्वाधिक उंचा ज्वालामुखी फटने की आशंका जताते हुए अलर्ट जारी किया है। प्राधिकारियों ने सेमेरु पर्वत में फिर से ज्वालामुखी फटने की आशंका जताई है। सेमेरु में इस महीने की शुरुआत में अचानक ज्वालामुखी फटने से 48 लोगों की मौत हो गई थी और 36 अन्य लोग लापता हो गए थे।

इंडोनेशिया की भूवैज्ञानिक एजेंसी ने शनिवार को बताया कि उसने ऐसी गतिविधियां बढ़ती देखी हैं, जिसके कारण चार दिसंबर की तरह ज्वालामुखी फटने की आशंका है। इंडोनेशिया के सबसे घनी आबादी वाले द्वीप जावा में चार दिसंबर को सबसे उंचा ज्वालामुखी फटा था जिससे आसमान में राख का गुबार छा गया था। पूर्वी जावा प्रांत के लुमाजांग जिले में स्थित सेमेरु पर्वत से अचानक ज्वालामुखी फटने से इसके ढलानों के आसपास के कई गांवों में राख भर गई थी। कई दिनों तक गरज के साथ बारिश होने से 3,676 मीटर (12,060 फुट) सेमेरु के ऊपर के लावा गुंबद को क्षति हुई और यह अंत में यह ढह गया।

ऊर्जा एवं खनिज संसाधन मंत्री अरिफिन तसरीफ ने बताया कि ज्वालामुखी के क्रेटर से निकली लगभग 80 लाख घन मीटर रेत ने बेसुक कोबोकन नदी को अवरुद्ध कर दिया। जो लावा प्रवाह के रास्ते में है।

दिल्ली में विश्व कायस्थ महासम्मेलन में सीएम केजरीवाल बोले-'मुझे नेपोलियन नहीं बनना'

विवेक राय

नई दिल्ली। तालकटोरा स्टेडियम में ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी की सरकार का जमकर बखान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि कायस्थ समाज का देश निर्माण और समाज निर्माण में बड़ा योगदान रहा है। आजादी की लड़ाई में भी कायस्थ समाज ने बढ़ चढ़कर योगदान दिया है। केजरीवाल ने कहा कि मैं राजनीति में नया हूं, लेकिन यह कह सकता हूं कि आजादी के बाद दूसरी पार्टियों की सरकारों ने देश में शिक्षा के क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिया।

विश्व कायस्थ सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि हम नेपोलियन नहीं, हमें एक के बाद एक राज्य नहीं जीतने। हमें राजनीति नहीं करनी, राष्ट्र निर्माण करना है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सभी पार्टियां जानबूझकर देश के लोगों को गरीब रखना चाहती हैं। सरकारी स्कूलों पर जानबूझकर ध्यान नहीं दिया। अगर गरीब रहेंगे तो इन पार्टियों के वोट बैंक बने रहेंगे। रैलियों में भीड़ बढ़ाने के लिए इन्हीं गरीबों को बसों में भर भरकर लाया जाता है। पिछले छह-सात सालों में हमने दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अस्पतालों का कायाकल्प करके दिखाया है। अगर दिल्ली में सुधार हो सकता है तो पूरे देश में भी हो सकता है। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को सुधारने के लिए पूरे देश में आंदोलन होना चाहिए, मैं कायस्थ समाज से इस आंदोलन में शामिल होने का आव्हान करता हूं। कायस्थ समाज ताकतवर समाज है।

भारतीय जनता पार्टी ने शाहदरा जिले में कार्यकर्ताओ के लिए लगाया प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली। शाहदरा जिले में ओसवाल भवन में दिल्ली भाजपा शाहदरा जिला का प्रशिक्षण शिविर चल रहा था जोकि तीन दिन शुक्रवार 17 दिसम्बर से लेकर रविवार 19 दिसम्बर तक चला और इस दौरान करीब सौ कार्यकर्ता दिन और रात वही रहे और उनका प्रशिक्षण केंद्रीय प्रशिक्षण निर्देशानुसार बीजेपी दिल्ली प्रदेश प्रवक्ताओं द्वारा किया गया। इसमें भिन्न भिन्न विषयो के बारे में चर्चा की गयी और उन्होंने मार्गदर्शन किया जैसे की कैसे संगठन होना चाहिए और कैसे संगठन की रचना होनी चाहिए। किस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी का इतिहास रहा है। भारतीय जनता पार्टी की विचार धारा किया है। किस तरह से उस विचार धारा को उनको आगे तक जनता के बीच में पहुंचना है। किस प्रकार से एक कार्यकर्ता में एक संयमी होना चाहिए और कार्यकर्ता सम्मान करने वाला होना चाहिए जानकार होना चाहिए इस तरह के सारे विचारो को प्रवक्ताओं ने प्रस्तुत किया और करीब सौ वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओ ने इन तीन दिनों के प्रवास के दौरान उन्होंने इस मर्म को समझा उनके ज्ञान को समझा और आगे आने वाले समय में वो जनता को किस तरह से इसको आगे पहुचायेगे इसके बारे में वहा चर्चा की गयी इसके लिए डॉ अनिल गोयल जी ने शाहदरा जिला के प्रभारी श्री पंकज जैन जी, सहप्रभारी श्री अरविन्द गर्ग जी, शाहदरा जिलाध्यक्ष श्री राम किशोर शर्मा जी, इस वर्ग के प्रमुख श्री संजय गोयल जी, इस की आवास व्यस्था देख रहे श्री भूषण टक्कर जी और सारे युवा मोर्चा को, महिला मोर्चा को, सातो मोर्चा को, जिले के सभी मंडल अध्यक्षो को, प्रभारियों को, महामंत्रियों को धन्यवाद् दिया और उन्होंने कहा इस तरह के प्रशिक्षण से ही भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता निखर कर, संवर कर आगे आता है और जनता में सेवा ही संगठन की भावना के तहत और राष्ट्र निर्माण की भावना के तहत, समाज के निर्माण की भावना के तहत, मूल्य आधारित राजनीती पर चलने के तहत चलने की प्रेरणा लेता है और उस भावना के तहत जनता के बीच जाता है

भाग्य विहार क्षेत्र यहां के विधायक और निगम पार्षद की वजह से दुर्भाग्यविहार में तब्दील हो चुका है:डॉ नरेश कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने कहा कि राजधानी का भाग्य विहार क्षेत्र यहां के आम आदमी पार्टी विधायक और भाजपा के निगम पार्षद की वजह से दुर्भाग्यविहार में तब्दील हो चुका है।

डॉ कुमार ने आज यहां के लोगो से मुलाकात के बाद जारी बयान में कहा कि स्थानीय लोगो ने बताया कि यहां जल भराव होने से डेंगू, पीलिया और आंत्रशोथ जैसी बीमारियां लोगों में फैल रही है लेकिन स्थानीय विधायक तथा स्थानीय पार्षद के पास उनसे मिलने तथा इन समस्याओं को दूर करने का भी समय नहीं है।

उन्होंने कहा कि वह इस क्षेत्र से चुनाव लड़ते हैं लेकिन आम आदमी पार्टी के विधायक सिर्फ बयानबाजी करते हैं और उनके पास लोगों की समस्याओं को दूर करने का भी समय नहीं है । यह कौन सा विकास है और दिल्ली का विकास का माडल कहां गया है जिसकी मुख्यमंत्री हर जगह जाकर डींग मारते हैं।

डॉ कुमार ने कहा कि आने वाले चुनावों में जनता अपने नेताओं की इस अक्षमता को दिखा देगी और उन्हें सबक सिखाएगी।

इस मौके पर बोलते हुए जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि जो केजरीवाल दिल्ली को पैरिस बना रहा था उसने दिल्ली को नरक बना दिया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ कुलदीप राणा ने की इस कार्यक्रम में निर्मला वत्स,बनवारी लाल उपाध्याय, किताब सिंह, चौधरी बाबू लाल, श्री कृष्ण शर्मा,डॉ जीत यादव,सत्य नारायण सैनी,मनोज रानी, महेंद्र प्रधान , करतार सिंह कटारिया मौजूद रहे।

वेलकम में युवक को मारी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। वेलकम में झगड़ा देख रहे एक युवक को बदमाश ने गोली मार दी। घायल 38 वर्षीय राजू को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। राजू वेलकम की जनता कॉलोनी में रहते हैं और एक जींस फैक्टरी में काम करते हैं। शुक्रवार रात 11 बजे घर के पास गली में कुछ युवक झगड़ा कर रहे थे तो वह देखने चले गए। इसी दौरान झगड़ा कर रहे एक युवक ने उनको गोली मार दी।

इसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए। पड़ोसी दानिश व समीन उन्हें जग प्रवेश अस्पताल लेकर गए, जहां उपचार चल रहा है। राजू के अनुसार, वह गोली मारने वाले युवक को नहीं जानते हैं।

उन्हें यह भी नहीं पता कि उसने गोली क्यों मारी। पुलिस केस दर्ज कर घटना स्थल की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

टीवी पर बिजनेस ब्लास्टर्स का चौथा एपिसोड प्रसारित किया गया

नई दिल्ली,एजेंसी। केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू किया गया कार्यक्रम बिज़नेस ब्लास्टर्स दिल्ली के सरकारी स्कूलों में भविष्य की कंपनियों के सीईओ तैयार हो रहे है। कार्यक्रम की पूरे भारत में चर्चा हो रही है। साथ ही बहुत से निवेशक दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बिज़नेस स्टार्स के स्टार्टअप में निवेश कर रहे है जिससे कार्यक्रम को शानदार सफलता भी मिल रही है। इसी कड़ी में रविवार को टीवी पर बिजनेस ब्लास्टर्स का चौथा एपिसोड प्रसारित किया गया।

जहां दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बिज़नेस स्टार्स ने प्रसिद्ध निवेशकों के सामने अपने बिज़नेस आईडिया प्रस्तुत किए। एपिसोड में सुता की को-फाउंडर तानिया और तोड़-फोड़-जोड़ के फाउंडर नीरज गुलाटी जैसे प्रसिद्ध उद्यमियों ने जज की भूमिका निभाते हुए इन युवा एंत्रप्रेन्योर्स के स्टार्टअप को समझा और उसमे निवेश किया। उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया भी बतौर जज की भूमिका में इस कार्यक्रम में शामिल रहे। शो पर पहला आईडिया सिलाई मित्र त्योहारों के मौसम में पैक्ड शेड्यूल के कारण समय पर ड्रेस सिलने में विफल रहने के व्यक्तिगत अनुभव से निकला था। सिलाई मित्र एक ऐप आधारित सिलाई स्टार्टअप है, जहाँ ग्राहक भारत के सर्वश्रेष्ठ से टेलर्स से कपड़े सिलवा सकते है।

दिल्ली में छठी से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए आज से खुल जाएंगे निजी स्कूल

नई दिल्ली, एजेंसी। कक्षा छह से लेकर 12वीं तक के छात्रों के लिए सोमवार से निजी स्कूल भी खुल जाएंगे। प्रदूषण के चलते दिसंबर महीने की शुरुआत में स्कूलों को बंद कर दिया गया था। शिक्षा निदेशालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से अनुमति मिलने के बाद शुक्रवार को ही स्कूल खोलने की मंजूरी दी थी। सरकारी स्कूल शनिवार को ही खुल गए थे। लेकिन, निजी स्कूलों ने सोमवार से स्कूल खोलने का निर्णय लिया था। हालांकि, दिल्ली में कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों को लेकर अभिभावकों ने निजी स्कूलों से चिंता जाहिर की है। रोहिणी स्थित माउंट आबू पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य ज्योति अरोड़ा ने बताया कि सोमवार से स्कूल खुल रहे हैं। एक अभिभावक ने फोन करके ओमीक्रोन को लेकर चिंता जताई है। कोविड से बचाव को लेकर स्कूल द्वारा सभी उचित कदम उठाए गए हैं। शिवाजी पार्क स्थित लिटिल फ्लावर्स पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंध निदेशक रोहित दुआ का कहना था कि सोमवार से छठीं कक्षा से ऊपरी कक्षाओं के सभी छात्र स्कूल आ सकेंगे। कोविड नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। मयूर विहार फेज-3 स्थित विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. सतवीर शर्मा ने बताया कि स्कूल खोलने को लेकर अभी सहमति नहीं बनी है। अभिभावकों की सर्वसम्मति से ही स्कूल को खोला जाएगा। अभिभावकों ने ओमीक्रोन की वजह से बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर सहमति नहीं दी है।

सरकारी स्कूल शनिवार को ही खुल गए थे।

कोविड के बढ़ते मामले को देखते हुए डीडीएमए की बैठक आज

बैठक की अध्यक्षता उप राज्यपाल करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में धीरे-धीरे बढ़ते कोविड मामलों को देखते हुए सोमवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक बुलाई गई है। बैठक का मुख्य उदेश्य दिल्ली में कोविड के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते मामले के साथ उससे निपटने की तैयारियों पर भी चर्चा करना है। बैठक की अध्यक्षता उप राज्यपाल करेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी कैबिनेट के लोग भी बैठक में शामिल होंगे। इस दौरान आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि दिल्ली में बीते कुछ दिनों से कोविड के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। वर्तमान में दिल्ली में 484 से अधिक सक्रिय मामले होने के साथ 153 कंटेनमेंट जोन भी बन चुके हैं। इसमें बीते दस दिनों में 30 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ है। इस दौरान ओमीक्रोन के भी मामले सामने आ रहे हैं। इसके बढ़ने के खतरे से निपटने के लिए ही सोमवार को डीडीएमए की बैठक में चर्चा होगी। बैठक में विशेषज्ञ भी उपस्थित रहेंगे जो कि कोरोना के नए स्वरूप के खतरे पर चर्चा करेंगे।

दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक बैठक में मुख्य मुद्दा कोविड के धीरे-धीरे बढ़ रहे संक्रमण को लेकर है। साथ ही उसे रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएं इस पर चर्चा होगी। इसके अलावा विशेषज्ञ भी भावी खतरे पर अपनी बात रखेंगे। उसके हिसाब से तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। हालांकि, सरकार ने पहले ही एलएनजेपी के अलावा चार निजी अस्पतालों में भी खतरे वाले देशों से आने वाले संदिग्ध मरीजों को रखने के लिए आदेश जारी कर दिया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी कैबिनेट के लोग भी बैठक में शामिल होंगे।

दिल्ली में अभी धार्मिक आयोजनों, सामाजिक, आर्थिक और सार्वजनिक स्थलों पर पार्टी करने पर रोक है।

सीआईसी ने चुनावी बॉन्ड संबंधी रिपोर्ट का अनुरोध करने वाली अर्जी खारिज की

■ नई दिल्ली

सीआईसी ने एसबीआई द्वारा चुनावी बॉन्ड की बिक्री और उन्हें भुनाने के संबंध में आरबीआई रिपोर्ट का अनुरोध करने वाली अर्जी खारिज कर दी है।

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा चुनावी बॉन्ड की बिक्री और उन्हें भुनाने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र को 2018 में सौंपी गई रिपोर्ट का खुलासा करने का अनुरोध करने वाली अर्जी खारिज कर दी है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) मामलों में निर्णय लेने की शीर्ष संस्था सीआईसी में अर्जी दायर करने के लगभग तीन साल बाद, सूचना आयुक्त सुरेश चंद्रा ने कहा कि ऐसा लगता है कि इस मामले को और लंबित रखने में कोई जनहित नहीं है, क्योंकि आयोग द्वारा हस्तक्षेप का अनुरोध करने वाली अपील में कोई दम नहीं है।उन्होंने कहा, आयोग को मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर गौर करने, दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और रिकॉर्ड देखने के बाद लगता है कि अपीलकर्ता को पर्याप्त सूचना दी गई है। यह मामला सक्रिय कार्यकर्ता वेंकटेश नायक द्वारा दायर आठ बिंदुओं वाले एक आरटीआई आवेदन से संबंधित है, जिसमें मार्च और अप्रैल 2018 में एसबीआई द्वारा बेचे गए चुनावी बॉन्ड के मूल्य वर्ग के विवरण, कुल खरीदारों की संख्या, बॉन्ड खरीदने के लिए जमा किए गए आवेदन पत्र, एसबीआई द्वारा बॉन्ड की बिक्री और उन्हें भुनाने को लेकर आरबीआई और सरकार को जमा की गई रिपोर्ट की जानकारी दिए जाने का अनुरोध किया गया है।

संसदीय समिति ने नए कानून की आवश्यकता पर सीबीआई के विचार मांगे

■ नई दिल्ली

संसद की एक समिति ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से उसके प्राधिकार को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने तथा उसे और शक्तियां देने के लिए एक नया कानून लाने या मौजूदा कानूनों में संशोधन की आवश्यकता पर उसके सुझाव मांगे हैं। संघीय जांच एजेंसी में।,000 से अधिक पदों के रिक्त होने का जिक्र करते हुए उसने सीबीआई से इस बात की रूपरेखा तैयार करने को कहा है कि कैसे और कब तक उसकी इतनी बड़ी संख्या में रिक्तियों को भरने की योजना है। एक रिपोर्ट में समिति ने यह भी उम्मीद जताई कि सरकार निगरानी की क्षमताओं को मजबूत करने और एक केंद्रीकृत निगरानी डेटाबेस बनाने के लिए सीवीसी को पर्याप्त निधि मुहैया कराए।

समिति ने राज्यों द्वारा आम सहमति वापस लेने से सीबीआई की जांच में बाधा पैदा होने के उसके विचारों से सहमति जताते हुए पहले की अपनी रिपोर्ट में सरकार से यह आकलन करने की सिफारिश की थी कि क्या सीबीआई के प्राधिकारों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने तथा उसे और शक्तियां प्रदान करने के लिए नया कानून लाने या मौजूदा कानूनों में संशोधन की आवश्यकता है।उसे बताया गया कि राज्य सरकारों ने सीबीआई को राज्य में जांच करने के लिए डीएसपीई कानून की धारा छह के तहत दी गई आम सहमति वापस ले ली है और वे अब प्रत्एक मामले के आधार पर सहमति दे रहे हैं। संसद में 10 दिसंबर को पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है, समिति यह बताती है कि सीबीआई ने उसके अधिकारों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने तथा उसे और शक्तियां प्रदान करने के लिए नया कानून लाने या मौजूदा कानूनों में संशोधन की आवश्यकता पर अपने विचार नहीं सौंपे हैं।

विधानसभा चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड में करीब 150 भाजपा नेताओं की तैनाती

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव करीब आने के साथ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 150 से अधिक वरिष्ठ नेता, पार्टी की जीत के लिए काम करने के लिए दिल्ली से दोनों राज्यों में जा रहे हैं। यहां भाजपा नेताओं ने कहा कि 100 से अधिक वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 44 विधानसभा क्षेत्रों में जिला प्रभारी के तौर पर काम करने के लिए तैनात किया गया है। ए नेता प्रचार को दिशा देने, प्रचार-अभियान में समन्वय स्थापित करने के साथ ही बूथ प्रबंधन का काम देखेंगे। जिला और विधानसभा क्षेत्र स्तर पर कार्यरत भाजपा नेताओं की टीम की निगरानी भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और वर्तमान महासचिव दिनेश प्रताप सिंह करेंगे। उत्तर प्रदेश में तैनात दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, जहां पार्टी चुनाव लड़ रही है वहां मदद के लिए विभिन्न राज्यों के नेताओं को भेजने की प्रक्रिया सामान्य है। दिल्ली से उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की निकटता का मतलब है कि वहां काम करने वाले हमारे नेताओं का जमीनी स्तर पर कुछ प्रभाव होगा।

पश्चिमी यूपी में भाजपा ने उतारे दिल्ली के 100 से ज्यादा नेताओं की फौज, विजेंद्र गुप्ता को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा आलाकमान ने दिल्ली के 150 से ज्यादा नेताओं को यूपी और उत्तराखंड में चुनावी ड्यूटी लगाई है। दिल्ली के वरिष्ठ नेता इन दोनों राज्यों में पार्टी की जीत के लिए काम कर रहे हैं। एक भाजपा नेता ने बताया कि पश्चिमी यूपी में 100 से ज्यादा सीनियर नेताओं और पदाधिकारियों को 44 विधानसभा क्षेत्रों में लगाया गया है। इनमें से कई नेताओं को जिला प्रभारी के रूप में काम करने के लिए तैनात किया गया है ताकि चुनाव प्रचार और बूथ प्रबंधन को व्यवस्थित और सुव्यवस्थित किया जा सके।

जिला और विधानसभा क्षेत्र स्तर पर कार्यरत भाजपा नेताओं की टीम की निगरानी दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष औ विजेंद्र गुप्ता और वर्तमान महासचिव दिनेश प्रताप सिंह कर रहे हैं। दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा, अशोक गोयल देवराहा और सुनील यादव, प्रदेश प्रवक्ता विक्रम बिधूड़ी, अदित्य झा, मोहन लाल गोहरा और ब्रजेश राय के साथ ही पूर्व मेयर जय प्रकाश जेपी को भी यूपी में चुनावी ड्यूटी में लगाया गया है।

जीएसटी बढ़ाने के विरोध में कपड़ा व्यापारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कपड़े पर जीएसटी की दर को पांच से बढ़ाकर 12 फीसदी किए जाने के विरोध में कपड़ा व्यापारी लामबंद हो रहे हैं। व्यापारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों (सांसद और राज्य सभा सदस्य) से मुलाकात कर बढ़ाई गई जीएसटी को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन के बैनर तले व्यापारी आप नेता बृजेश गोयल से मिले। उससे पहले व्यापारियों ने शनिवार को भाजपा सांसद हर्ष वर्धन से मिलकर जीएसटी का मुद्दा उठाया था। एसोसिएशन का कहना है कि हम दिल्ली से जुड़ी सभी कपड़ा एसोसिएशन के साथ मिलकर स्थानीय जन प्रतिनिधियों के पास जा रहे हैं, जिससे कि वो हमारी मांगों को ऊपर रख सके। अगले एक-दो दिन में सभी जनप्रतिनिधियों से मुलाकात का दौर पूरा हो जाएगा। उसके बाद देश के अन्य कपड़ा व्यापार संगठनों से बातचीत कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

जरा हट के... बग्गा

मौसम उत्तरपश्चिमी भारत शीत लहर की चपेट में

अगले तीन दिनों तक राहत के आसार नहीं

■ नई दिल्ली

हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में शीत लहर का प्रकोप जारी है और अगले तीन दिनों तक राहत मिलने के आसार नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को बताया कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्तिस्तान तथा मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश भी शीत लहर की चपेट में हैं।उत्तरपश्चिमी भारत में राजस्थान के चुरू में सबसे कम शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया। इसके बाद सीकर में शून्य से 2.5 डिग्री से. नीचे और अमृतसर में शून्य से 0.5 डिग्री से. नीचे तापमान दर्ज किया गया।सफदरजंग वेधशाला ने दिल्ली में अभी तक इस मौसम का सबसे कम 4.6 डिग्री से. न्यूनतम तापमान दर्ज किया। लोधी रोड में स्थित मौसम केंद्र ने न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री से. दर्ज किया।उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा।

आईएमडी ने उत्तरपश्चिमी भारत में अगले तीन दिनों तक शीत लहर चलने का अनुमान जताया है और उसके बाद इससे राहत मिल सकती है। अगले दो दिनों में उत्तराखंड के कुछ क्षेत्रों और पंजाब तथा हरियाणा में 23 और 24 दिसंबर को घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। मौसम कार्यालय ने बताया कि उत्तरपश्चिमी भारत के मैदानी इलाके मंगलवार तक 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ठंडी और शुष्क हवाओं की चपेट में रहेंगे, जिससे शीत लहर और ठंड का प्रतिकूल असर बढ़ जाएगा।

आईएमडी के अनुसार, जब दृश्यता शून्य से 50 मीटर के बीच होती है तो उसे बेहद घना कोहरा कहा जाता है, 51 से 200 मीटर के बीच को घना , 201 से 500 के बीच को मध्यम और 501 से।,000 मीटर के बीच को हल्का कोहरा जाता है। अगर मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो आईएमडी शीतलहर की घोषणा करता है।

सम्पादकीय

विकास की राजनीति

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में सरयू नहर परियोजना का लोकार्पण करते हुए यह जो कहा कि डबल इंजन की सरकारें विकास का पर्याय साबित होती हैं उस पर विपक्षी दलों को कटाक्ष करने से अधिक चिंतन करना आवश्यक है। विपक्षी दल प्रधानमंत्री के वक्तव्यों पर अपनी तरह से अपने विचार व्यक्त करने और इस क्रम में उनसे असहमति जताने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता और न किसी को करना चाहिए कि विकास एवं जनकल्याण के मामलों में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करने की आवश्यकता है। उचित यह होगा कि डबल इंजन सरकारों के संदर्भ में प्रधानमंत्री के कथन को इस रूप में भी समझा जाए कि वे विकास के कार्यक्रमों पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग, सहमति और समन्वय की आवश्यकता को रेखांकित कर रहे हैं। भले ही सभी राजनीतिक दल जनकल्याण और विकास की बातें करते रहते हों, लेकिन सच्चाई यह है कि कई बार विकास के मामलों में संकीर्ण राजनीति होती हुई दिखाई देती है। यह राजनीति तब कहीं अधिक दुर्भाग्यपूर्ण साबित होती है जब किसी योजना-परियोजना को शुरू करने अथवा उसे आगे बढ़ाने के मामले में केंद्र और राज्य सरकार के बीच आवश्यक सहमति देखने को नहीं मिलती। दलगत राजनीति अपनी जगह है, लेकिन विकास के कामों में इस राजनीति को बाधा नहीं बनना चाहिए। यदि राज्यों को प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ना है और देश को भी उन ऊंचाइयों की ओर ले जाना है जिनके बारे में राजनीतिक दल लगातार बातें करते रहते हैं तो फिर उन्हें विकास के मामले में सस्ती राजनीति करना बंद करना होगा। यह ठीक नहीं कि राष्ट्र के विकास के बजाय दलगत हितों को महत्व दिया जाए। इस सिलसिले में इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कई बार कुछ राज्य सरकारें राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं पर केंद्र सरकार को अपेक्षित सहयोग देने से इन्कार करती हैं। कुछ मामलों में तो वे अंतरराष्ट्रीय संधियों-समझौतों के क्रियान्वयन में भी बाधक बन जाती हैं। बतौर उदाहरण यदि बांग्लादेश के साथ तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर समझौता आगे नहीं बढ़ पा रहा है तो सिर्फबंगाल सरकार के रवैये के कारण। जेवर एयरपोर्ट की परियोजना भी राजनीतिक असहयोग के कारण लंबे समय तक अटकी रही। यहां तक कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए टीकाकरण जैसा महत्वपूर्ण अभियान भी राजनीतिक हितों की चिंता से बच नहीं सका।

जब भी इस तरह का राजनीतिक असहयोग प्रदर्शित किया जाता है तो इसकी कीमत देश और समाज को चुकानी पड़ती है। न केवल परियोजनाओं के अमल में देरी होती है, बल्कि उनकी लागत भी कहीं अधिक बढ़ जाती है। सरयू नहर परियोजना की लागत सिर्फइसलिए सौ गुना बढ़ गई, क्योंकि इसे पूरा करने में दशकों लग गए।

हार की जीत' वाले सुदर्शन

तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर, जाग जरा! पढ़कर कुछ याद आया आपको नहीं कोई बात नहीं. कोई गीत अपने रचयिता को एकदम से बिसरा दिये जाने के बावजूद आम लोगों की जेहन में इस तरह ताजा बना रहे, तो इसमें भी रचयिता की हार नहीं जीत ही होती है. इस गीत के रचनाकार सुदर्शन की एक कहानी का नाम भी हार-जीत से जुड़ा है-'हार की जीत.' हां-हां, वही बाबा भारती, उनके घोड़े सुल्तान और डाकू खड्ग सिंह वाली. जिसमें बाबा के जान से भी प्यारे सुल्तान को उनसे छीन लेने की फिराक में अपाहिज का भेष धरकर रास्ते में बैठा डाकू खड़्ग सिंह छल से अपने मकसद में कामयाब हो जाता है. तब बाबा उससे कहते हैं-घोड़ा ले जाओ. मगर मेरी एक प्रार्थना सुनते जाओ. किसी से कहना नहीं कि तुमने इस तरह मुझसे मेरा घोड़ा छीना. वर्ना लोग दीन-दुखियों व अशक्तों पर भरोसा करना छोड़ देंगे.श् जीत के नशे में खड़्ग सिंह उस वक्त तो उन्हें कोई उत्तर दिये बिना चला जाता है, लेकिन बाद में, अकेले में बाबा भारती के कहे पर विचार करते-करते आत्मग्लानि बर्दाश्त से बाहर हो जाती है, तो रात के अंधेरे में सुल्तान को चुपके से बाबा के उसी अस्तबल में बांध जाता है, जहां बाबा ने सुल्तान को पहली बार उसे दिखाया था. बुरे से बुरे व्यक्ति के भीतर भी भलाई के तत्वों की मौजूदगी और जीत के अदम्य व अटूट विश्वास से भरी सुदर्शन की इस कालजयी कहानी को इसमें समाहित अनूठे आदर्शवाद के लिए अलग से रेखांकित किया जाता है. गौरतलब है कि 'हार की जीत' सुदर्शन की पहली ही कहानी थी, जो 1920 में अपने समय की सर्वश्रेष्ठ पत्रिका 'सरस्वती' में छपी. सुदर्शन ने इसके अलावा 'अंधकार', 'गुरुमंत्र', 'दिल्ली का अंतिम दीपक', 'परिवर्तन', 'राजा', 'सच का सौदा', 'अठन्नी का चोर', 'तीर्थयात्रा', 'पत्थरों का सौदागर', 'पृथ्वीवल्लभ' और श्साइकिल की सवारीश् जैसी अमर कहानियां भी लिखी हैं. वर्ष 1896 में अविभाजित भारत के सियालकोट (अब पाकिस्तान में) में जन्मे सुदर्शन अपने चार भाई-बहनों में दूसरे थे. उनका माता-पिता का दिया नाम बदरीनाथ भट्ट था. छुटपन में ही दोनों को खो देने के बाद उन्होंने ढेरों तकलीफें भोगीं. बीए करने के बाद वे रोजगार की तलाश में लाहौर चले गये, जहां से उर्दू का अपने समय का बड़ा ही लोकप्रिय अखबार निकाला. इस बीच उनका विवाह हुआ और कुछ मित्रों के खराब बर्ताव के कारण 1932 में वे लाहौर छोड़कर कलकत्ता चले गये. जहां उन दिनों चल रही टॉकीजों में अच्छे लेखकों की बहुत मांग थी. लेकिन वहां भी उनका मन नहीं रमा और वे 1938 में मुंबई जा पहुंचे. मुंशी प्रेमचंद और उपेंद्रनाथ 'अश्क' की तरह वे भी उर्दू से हिंदी में आये. प्रेमचंद की ही तरह उनकी भाषा भी सहज, स्वाभाविक और मुहावरेदार है. अपने समय के दूसरे सुधारवादी सर्जकों की तरह उनके लेखन का लक्ष्य भी समाज व राष्ट्र का पुनर्निर्माण था. उनकी गणना प्रेमचंद संस्थान के विश्वंभरनाथ कौशिक, राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह और भगवतीचरण वाजपेयी जैसे रचनाकारों के साथ की जाती थी. लाहौर की उर्दू पत्रिका 'हजार दास्तां' में प्रायरू उनकी कहानियां प्रकाशित होती रहती थीं. उनकी कई पुस्तकें मुंबई के हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय से भी छपीं. वर्ष 1945 में महात्मा गांधी द्वारा प्रस्तावित अखिल भारतीय हिंदुस्तानी प्रचार सभा, वर्धा की साहित्य परिषद के वे सम्मानित सदस्य थे. गांधी जी के ही अनुरोध पर उन्होंने 'सबकी बोली' नाम से हिंदी की एक पुस्तिका लिखी थी जो बहुत दिनों तक कक्षा चार के बच्चों को पढ़ाई जाती रही. कहानियों के अलावा सुदर्शन फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे. दशक भर लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने कई फिल्मों की पटकथाएं और गीत भी लिखे. वर्ष 1934 में आयी उनकी पहली फिल्म 'रामायण' थी, जबकि 1935 की 'धूप-छांव' में उनका रचा एक बड़ा ही मनहर गीत था- श्मन की आंखें खोल, बाबा, मन की आंखें खोल.श् वर्ष 1952 में प्रदर्शित 'रानी' उनकी आखिरी फिल्म थी. 'तेरी गठरी में', जिसका जिक्र शुरू में कर आये हैं, संभवतः किसी फिल्म का हिस्सा नहीं है, फिर भी लोकप्रियता में अपना सानी नहीं रखता. एक ऐसा भी वक्त था, जब आम चुनावों के दौरान देश की विभिन्न राजनीतिक पार्टियां इस गीत को अपने विरोधियों को इंगित करने और मतदाताओं को उनसे सावधान रहने को कहने के लिए इस्तेमाल किया करती थीं. वर्ष 1941 में आयी सोहराब मोदी की लोकप्रिय फिल्म 'सिकंदर' की सफलता का एक बड़ा आधार सुदर्शन की लिखी उत्कृष्ट पटकथा ही बतायी जाती है. वर्ष 1935 में उन्होंने 'कुंवारी या विधवा' नाम की एक फिल्म का निर्देशन भी किया. वर्ष 1950 में जब फिल्म लेखक संघ गठित किया गया, तो उन्हें उसका पहला उपाध्यक्ष बनाया गया था. आगे चलकर वे हिंदी वालों की विस्मरण की आत्मघाती प्रवृत्ति के ऐसे शिकार हुए कि अब उनके बारे में ज्यादा जानकारियां उपलब्ध ही नहीं हैं. वर्ष 1967 में 16 दिसंबर को 72 वर्ष की उम्र में जब उनका देहांत हुआ

दूरस्थ अंचलों के पुस्तक मेले

पंकज चतुर्वेदी

उत्तर प्रदेश के गांव-गांव जब चुनावी तपिश से सुर्ख हैं, तभी पुराने जीटी रोड पर दिल्ली-कानपुर का लगभग मध्य बिंदु कहलाने वाले एटा शहर में चर्चा थी- किताबों की, कविता की, गीत और विमर्श की. एटा का आर्थिक जुगराफिया भले ही फाइलों में पिछड़ा क्षेत्र अनुदान राशि पाने वाला जनपद हो, लेकिन यहां की जनता पुस्तकों पर खर्चा करती है. यह पुस्तक मेला बगैर किसी सरकारी मदद के स्थानीय लोग 2016 से लगाते रहे हैं. पत्रकार ज्ञानेंद्र रावत, शासकीय अधिकारी संजीव यादव जैसे उत्साही लोग प्रकाशकों को निरूशुल्क स्टॉल व ठहरने-भोजन की व्यवस्था भी कर देते हैं. इस साल एक दिन पर्यावरण पर गोष्ठी थी, तो एक दिन कौमी एकता सम्मेलन. बच्चों की काव्य, पोस्टर जैसी प्रतियोगिता हुईं और इसमें विजेताओं को पसंद की पुस्तकें खरीदने के वाउचर दे दिये गये. असल में यह पुस्तकों के साथ जीने, उसे महसूस करने का उत्सव है, जिसमें गीत-संगीत, आलोचना, मनुहार, मिलन, असहमतियां हैं. सही मायने में यह विविधतापूर्ण वैचारिक एकता की प्रदर्शनी भी थी. गांधी, आंबेडकर, सावरकार, नेहरू और दीनदयाल उपाध्याय सभी के विचार एक साथ नजर आये.आठ जनवरी से 16 जनवरी, 2022 तक दिल्ली के प्रगति मैदान में पुस्तक मेले की तैयारी चल रही है. इसका थीम है- आजादी का अमृत महोत्सव और अतिथि देश फ्रांस है. इस पर करोड़ों का व्यय होता है और हर दिन लाखों पुस्तक प्रेमी, लेखक, विचारक यहां आते हैं. ज्ञान पर आधारित जीवकोपार्जन करने वालों की संख्या बढ़ रही है. जो प्रकाशक बदलते समय में पाठक के बदलते मूड को भांप गया, वह तो चल निकला, बाकी के पाठकों की घटती संख्या का स्यापा करते रहे. यह बात सभी स्वीकार करते हैं कि देश की बात क्या करें, दिल्ली में भी पुस्तकें सहजता से उपलब्ध नहीं हैं. गली-मोहल्लों में जो दुकानें हैं, वे पाठ्य-पुस्तकों की आपूर्ति कर ही इतना कमा लेते हैं कि दीगर पुस्तकों के बारे में सोच नहीं पाते. हालांकि, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के वसंत कुंज स्थित बड़े से शो रूम व कश्मीरी गेट तथा विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से पाठकों की पुस्तकों की भूख को शांत करने में मदद मिली है. फिर भी, यह आम शिकायत है कि लोगों को उनकी बोली-भाषा में, प्रामाणिक व गुणवत्तापूर्ण साथ ही किफायती दाम में पुस्तकें मिलती नहीं. भारत में पुस्तक व्यवसाय की सालाना प्रगति 20 फीसदी से ज्यादा है. इससे लाखों लोगों को रोजगार मिला है. एटा जैसे कस्बों में लोकतंत्र की ज्योति को प्रखर करने में पुस्तक मेले महती भूमिका निभाते हैं. जिस तरह लोकतंत्र विकल्प देता है अपनी पसंद की विचारधारा को चुन कर शासन सौंपने का, ठीक उसी तरह पुस्तक मेले भी विकल्प देते हैं पाठक को अपने पसंद के शब्द चुनने के. छोटे कस्बों और शहरों में इंटरनेट और पेप्सी जैसे उपभोग का चस्का तो बाजार ने लगवा दिया, लेकिन यहां पठन-सामग्री के नाम पर महज अखबार या पाठ्य पुस्तकें ही मिल पाती हैं. मिल-बैठकर निर्णय करने की समाज की परंपरा को भी सेटेलाइट टीवी और इंटरनेट खा गया. अतीत और भविष्य के प्रामाणिक दस्तावेजीकरण के माध्यम से ही हम बेहतर चुनाव कर सकते हैं- विचारधारा का भी और बाजार के उत्पाद का भी, रिश्तों व समझ का भी. एटा जैसे पुस्तक मेले जाति-धर्म, राजनीतिक प्रतिबद्धता, सामाजिक-आर्थिक भेदभाव से परे एक ऐसा मैदान तैयार करते हैं, जो विचार की धार को दमकाते हैं.असल में पुस्तक भी इंसानी प्यार की तरह होती हैं जिससे जब तक बात ना करो, रूबरू ना हो, हाथ से स्पर्श ना करो, अपनत्व का एहसास नहीं देती, फिर तुलनात्मकता के लिए एक ही स्थान पर एक साथ इतने सजीव उत्पाद मिलना एक बेहतर विपणन विकल्प व मनोवृत्ति भी है. फिर आंचलिक पुस्तक मेले तो एक त्योहार हैं, पाठकों, लेखकों, व्यापारियों, बच्चों के लिए. कुछ साल पहले तक नेशनल बुक ट्रस्ट दो साल में एक बार प्रगति मैदान का अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला लगाता था. हर दो साल में किसी राज्य की राजधानी में एक राष्ट्रीय पुस्तक मेला होता था. कई क्षेत्रीय पुस्तक मेले भी होते थे. आज कुछ निजी कंपनियां पुस्तक मेलों का आयोजन कर रही हैं, जहां साहित्यिक आयोजन भी होते हैं. आज आवश्यकता है कि हर जिले में समाज व सरकार मिलकर पुस्तक मेला समिति बनाये और जिला स्तर पर मेले लगें. भले ही इसमें प्रकाशकों की भागीदारी बीस से पचास तक हो, लेकिन उनके ठहरने, स्थान आदि की व्यवस्था हो. प्रशासन इसका प्रचार-प्रसार करे, जिले के शैक्षणिक संस्थान ऐसे मेलों से अपनी लाइब्रेरी को समृघ्द्ध करें. समाज भी तैयारी करे, बच्चे व मध्य वर्ग के लोग हर दिन एक रुपया जोड़कर पुस्तक मेले से कुछ ना कुछ खरीदने का श्रम करें. अतीत में भारत की पहचान विश्व में एक ज्ञान पुंज की रही है. आज जानने की लालसा और नया करने की प्रतिबद्धता के लिए जरूरी है कि दूरस्थ अंचलों तक पुस्तकों की रोशनी पहुंचती रहे. जिन कस्बों-शहरों में ऐसी सांस्कृतिक-साहित्यिक गतिविधियां होती हैं वहां टकराव कम होते हैं. एटा इलाका पिछड़ी कही जाने वाली लोधी और यादव जाति के बाहुल्य का इलाका है. एटा में शांति रहती है. लोग पुस्तक मेले में आकर खुली बहस करने पर यकीन करते हैं।

मोन पर मौन, दोषी कौन

सर्वमित्रा सुरजन

मोन जिला कहां हैं, ओटिंग गांव में अभी कुछ दिनों पहले क्या हुआ था, इन सवालों को अगर एकदम से किसी से पूछा जाए, तो सोशल मीडिया के सहारे खबरों से अपडेट रहने का दावा करने वाले कई लोग दो पल को सोच में पड़ जाएंगे। हो सकता है मेरा अनुमान गलत हो। लेकिन अक्सर होता ऐसा ही है कि जो बात नजरों से दूर हुई, वो याददाश्त से भी बाहर हो जाती है। खासकर तब, जबकि हमारा उस खबर से सीधे-सीधे कोई वास्ता न हो। सोशल मीडिया प्लेटफार्म इसी इंसानी फितरत का फायदा उठाते हुए ही हैशटैग चलाते हैं। आज एक हैशटैग के साथ कोई खबर लाखों लोग शेयर करते हैं, तो वह हिट हो जाती है। लेकिन किसी खबर को दबाना हो, उसे चर्चा में न लाना हो तो फिर कोई हैशटैग मत डालिए, खबर अपने आप दब जाएगी। कहना गलत नहीं होगा कि हम हैशटैग पत्रकारिता के दौर में आ पहुंचे हैं। आप में से बहुतों को याद ही होगा, फिर भी याद दिला देती हूं कि मोन और ओटिंग नगालैंड में हैं। जहां 4 दिसम्बर को सेना की गोलीबारी में 14 आम नागरिकों की मौत हो गई थी। सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील इस इलाके में सेना चरमपंथी गतिविधियों पर निगाह रखती है। इसी सिलसिले में 4 दिसम्बर को मजदूरों को लेकर लौटती एक गाड़ी पर सेना ने चरमपंथियों के होने के शक में गोलीबारी शुरु कर दी, जिसमें 7 लोग मारे गए। मजदूर जब अपने घरों को नहीं पहुंचे, तो गांव वालों ने उनकी तलाश शुरु की और सारा माजरा समझ आते ही नाराज ग्रामीणों ने सैनिकों को घेर लिया, इसमें एक जवान की मौत हो गई। भीड़ को संभालने के लिए की गई गोलीबारी में 7 लोग और मारे गए। इस घटना का वर्णन करते हुए लगता है मानो हम किसी फिल्म का दृश्य बतला रहे हैं। काश ये सारी बातें काल्पनिक ही होतीं, लेकिन हकीकत वाकई बहुत कड़वी है। इस घटना में नाइंसाफी केवल एक बार होती, तब भी इसे दुखद बतलाकर आगे की सुध ली जा सकती थी। लेकिन फिलहाल नाइंसाफी का दौर जारी है और ऐसा लग रहा है कि इंसाफकी मांग के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ेगा। संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को उठाया तो गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में इस घटना पर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि- सेना ने नागरिकों को पहचानने में गलती की। इस घटना की जांच के लिए एसआईटी बनाई जाएगी, जो एक महीने के अंदर रिपोर्ट सौंपेगी। लेकिन कुछ मिनटों में कानून बनाने वाली या कानून खारिज करने वाली ये सरकार इस सवाल पर अब तक खुलासा नहीं कर रही कि अफ्स्पा को लेकर उसका रुख क्या रहेगा। क्या इस विशेषाधिकार के चलते सैन्य बल अशांत इलाकों में कानून व्यवस्था के नाम पर नागरिकों का दमन करते रहेंगे। पूर्वोत्तर राज्यों और अविभाजित कश्मीर में अफ्स्पा की आड़ में कई बार सेना ने नागरिक अधिकारों और मानवाधिकारों को कुचला है।

मणिपुर में इरोम शर्मिला चानू ने अफ्स्पा हटाने के लिए 16 वर्षों तक भूख हड़ताल की, बार-बार अपनी गिरफ्तारी दी। मोन की घटना के बाद चानू ने कहा कि नागालैंड की घटना ने एक बार फिर दिखाया है कि क्यों पूर्वोत्तर से कठोर अफस्पा को वापस लिया जाना चाहिए। यह घटना आंखें खोलने वाली होनी चाहिए। मानव जीवन इतना सस्ता नहीं है। इससे पहले नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा भी इस कानून को निरस्त करने की मांग कर चुके है। इस घटना में मारे गए नागरिक कोन्याक जनजाति से ताल्लुक रखते थे। अब कोन्याक जनजाति के शीर्ष संगठनों ने नए नियमों की एक फेहरिस्त जारी की है, जिसमें सेना के साथ सख्त असहयोग भी शामिल है। साथ ही यह भी कहा गया है कि जब तक 14 नागरिकों की हत्या मामले में न्याय नहीं मिल जाता, तब तक लोग इनका पालन करेंगे। जनजाति के सदस्यों से कहा कि वे किसी भी सेना भर्ती रैली में भाग न लें और न ही सैन्य बलों की ओर से जारी पैकेज या सहायता स्वीकार न करें। कोन्याक यूनियन ने अपने बयान में कहा है कि, श्भारतीय सैन्य बल के काफिले और कोन्याक की धरती पर गश्ती पर तब तक पूर्ण प्रतिबंध जारी रहेगा जब तक मारे गए 14 निर्दोष कोन्याक युवकों को न्याय नहीं मिल जाता। 16 दिसंबर को मोन जिले में जनसभा होगी। और न्याय मिलने तक हर गाड़ी पर काले झंडे और नागरिकों ने काले बैज लगाने का फैसला लिया है। इसके साथ ही पीड़ित परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने सरकार से मिलने वाली 11 लाख रुपये की मुआवजा राशि और सरकारी नौकरी लेने से इनकार कर दिया है। परिवार के सदस्यों की मांग है कि इस पूरे हत्याकांड में शामिल सुरक्षाकर्मियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए और तत्काल प्रभाव से अफ्स्पा को निरस्त किया जाए। लेकिन जैसा मैंने कहा कि अब हैशटैग ही तय करता है कि किस बात पर चर्चा होनी चाहिए और किस पर नहीं। तो फिलहाल ऐसा लगता नहीं कि देश में अफ्स्पा या मोन के साथ कोई हैशटैग सोशल मीडिया पर ट्रेंड करेगा। क्योंकि इसमें मसालेदार चर्चा की संभावनाएं नहीं हैं। देश में इस वक्त चुनाव, मंदिरों का सौंदर्यीकरण, अरबों के विकास की परियोजनाएं और दलों में आपसी तोड़-फोड़ जैसे बहुत से मुद्दे हैं, जिन पर घंटों मीडिया बहस करवा सकती है। मगर अफ्स्पा या निर्दोष नागरिकों की सेना द्वारा हत्या के लिए कवरेज की कोई खास गुंजाइश नहीं है। मीडिया की यह चयनात्मक प्रवृत्ति अक्सर प्रभावशाली या अभिजात्य तबके के साथ दिखती है, अगर इस वर्ग के साथ कोई दुर्घटना हो तो उसे पूरा कवरेज मिलता है, कई बार जरूरत से अधिक भी, जैसे आर्यन खान मामला या फिर सीडीएस जनरल रावत के हैलीकॉप्टर क्रैश की दुखद घटना। मोन में मारे गए 14 नागरिकों की मौत भी उतनी ही अधिक दुखद और चेतावनी भरी है। लेकिन इस बारे में सरकार, मीडिया और समाज की मौन रहने की कोशिश डरावनी है।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर: अखिलेश ने बनाया इसे हिन्दू बनाम हिन्दू

उपेन्द्र प्रसाद

बहुत ही तामझाम और धूम-धड़ाके के साथ बनारस में बहुचर्चित काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 13 दिसंबर को किया। यह आयोजन बनारस में हुआ, लेकिन इसमें पूरे देश और खासकर पूरे उत्तर प्रदेश को डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से शामिल करने की कोशिश की गई। कहने को तो यह एक धार्मिक आयोजन था, लेकिन इसका मकसद पूरी तरह से राजनैतिक ही था और तात्कालिक मकसद आगामी कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाना था। सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने इस मकसद में कामयाब हो पाएंगे? पश्चिम बंगाल चुनाव में लाख जतन लगाने के बावजूद भी उनकी पार्टी हार गई और उसके बाद हुए उपचुनावों में भी उसका स्थिति अच्छी नहीं रही। फिलहाल हिन्दी प्रदेश उसके लिए ज्यादा मायने रखते हैं, लेकिन हिन्दी प्रदेशों में ही भाजपा की सबसे खराब हालत रही। हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में तो उसके उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा दुर्गति हुई और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर प्रदेश तो हिन्दी का हृदय प्रदेश है। यदि आसपास के इलाकों में हुए उपचुनाव का कोई संदेश है, तो वह भाजपा के लिए नकारात्मक ही है। महंगाई, बेरोजगारी, किसान असंतोष बगैरह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत को अत्यंत कठिन बना दिया है। किसानों के बढ़ते असंतोष को थामने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीनों विवादास्पद कानूनों को वापस ले लिए। उन कानूनों को वापस नहीं लेने का राजहठ नरेन्द्र मोदी का था, लेकिन चुनाव जीतने का मोह राजहठ पर भारी पड़ा और मोदीजी ने उसे अपने अंदाज में वापस ले लिया, लेकिन आंदोलन के कारण जो असंतोष पैदा हुआ था, वह अभी भी समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। यह मोदी और उनकी भाजपा के लिए सबसे ज्यादा चिंता का कारण है। देखने से तो लगता है कि यह आंदोलन सिर्फ पश्चिम उत्तर प्रदेश तक ही सीमित था, लेकिन सच कहा जाय, तो इसका असर पूरे उत्तर प्रदेश पर था। अखिलेश यादव की सभाओं में उमड़ती भीड़ भी भाजपा के लिए चिंता का सबब है। प्रतिपक्ष के मुख्य नेता और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार अखिलेश अभी विजय यात्रा पर निकले हुए हैं। यात्रा के दौरान उन्हें भारी जनसमर्थन तो मिल ही रहा है, बीच-बीच में होने वाली सभाओं में जुटी भीड़ भी अपूर्व और अप्रत्याशित है। लोग वहां लाए नहीं जा रहे हैं, बल्कि खुद आ रहे हैं। जिन इलाकों में अखिलेश की जाति के लोगों की आबादी नहीं है, वहां भी लोग भारी संख्या में उन्हें देखने और सुनने को उमड़ रहे हैं। इसका मतलब है कि उनका समर्थन उनकी जाति तक सीमित नहीं रह गया है। समाज के अधिकांश तबकों में उनके समर्थन का आधार बढ़ता चला गया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए चिंता की एक बात यह भी है कि मुकाबला वहां लगभग आमने सामने का होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति पिछले कुछ दशकों से त्रिकोणीय संघर्ष वाली रही है। भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बसपा मुख्य राजनैतिक ताकतें रही हैं, लेकिन इस बार बहुजन समाज पार्टी पर लगभग पूरी तरह ग्रहण लग गया है और मुकाबला भाजपा और सपा के बीच तक सीमित होता जा रहा है। तीन तरफा मुकाबला सत्तारूढ़ दल के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है, क्योंकि सत्ताविरोधी फ्लोटिंग मतदाता दो खेमे में बंट जाते हैं, लेकिन जब मुकाबला आमने सामने का होता है, तो सत्ता विरोधी फ्लोटिंग मतदाता सामने की विपक्षी पार्टी की ओर ध्रुवीकृत हो जाता है। इसका लाभ अखिलेश यादव को मिल रहा है। मायावती अब उत्तर प्रदेश की राजनैतिक ताकत नहीं रह गई हैं। उनका समर्थन आधार सिर्फ उनकी जाति तक सिमटकर रह गया है। उसके बाहर उनके प्रति समर्थन का कोई भाव नहीं रहा है। यह सच है कि उनकी जाति प्रदेश में सबसे अधिक आबादी वाली जाति है, लेकिन उसका प्रतिशत मात्र 12 ही है। ध्रुवीकरण की स्थिति में पूरे 12 प्रतिशत लोग उनको मत देंगे, इसमें भी शक है। जो घोर भाजपा विरोधी हैं, वे सपा में चले जाएंगे और जो घोर सपा विरोधी हैं वे भाजपा में चले जाएंगे। इसलिए हो सकता है, मायावती को इस बार 10 फीसदी वोट भी नहीं मिले और उनकी पार्टी अपने इतिहास का सबसे खराब प्रदर्शन इस बार दर्ज करे। बहरहाल हम बात भाजपा की कर रहे हैं। भाजपा के लिए यह चुनाव निश्चय ही एक कठिन चुनाव है और इसे जीतने के लिए ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन उस समय किया गया, जबकि यह अभी तक पूरा भी नहीं हुआ है। इसे कॉरिडोर के प्रथम फेज का उद्घाटन कहा जा रहा है। जाहिर है, कॉरिडोर का पूरा काम होना अभी बाकी है।

जबान संभाल के मंत्रीजी

देश के जरूरी मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए कभी धर्म, कभी विकास, कभी राष्ट्रवाद की पिच पर खेलती मोदी सरकार को आउट करने में ही उनके मंत्री भिड़े हुए हैं। कितनी जद्दोजहद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजय मिश्र टेनी को अपनी मंत्रिपरिषद में बनाए रखा है। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक ये खबर तो नहीं आई है कि प्रधानमंत्री ने श्री टेनी का इस्तीफा ले लिया। बल्कि एक वीडियो जरूर वायरल हुआ है, जिसमें एक टीवी चौनल के पत्रकार ने जब अजय मिश्र से आशीष मिश्रा पर बदली धाराओं से जुड़ा सवाल पूछा तो मंत्री महोदय भड़क उठे। उन्होंने अभद्र, असंसदीय भाषा में पत्रकार को फटकार लगाई कि बेवकूफी भरे सवाल मत करो। यानी अब देश में ये स्थिति आ गई है कि पत्रकारों के साथ अपशब्दों का प्रयोग सत्ता में बैठे लोग करेंगे। वैसे इस मामले में भारतीय मीडिया भी कम दोषी नहीं है, जिसने सत्ता के आगे समर्पण को पत्रकारिता का मापदंड बना लिया। चाटुकारिता और पत्रकारिता में जब कोई फर्क नहीं रहने दिया जाएगा तो फिर ऐसी ही बदसलूकी होगी। दुख की बात ये है कि कुछ चापलूस पत्रकारों की करनी का खामियाजा मेहनती, ईमानदार पत्रकारों को उठाना पड़ रहा है। लखीमपुर खीरी मामले में शुरुआत से ही अजय मिश्र के इस्तीफे की मांग विपक्ष और किसान दोनों कर रहे हैं। लेकिन घमंड में डूबी मोदी सरकार न जाने किस फायदे या किस मजबूरी में अजय मिश्र को हटाने का फैसला नहीं ले रही। अब लखीमपुर मामले में एसआईटी की रिपोर्ट के बाद मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा के पिता गृह राज्य मंत्री आशीष मिश्र टेनी को मंत्रिपरिषद से हटाने की कांग्रेस की मांग और तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया। राहुल गांधी ने गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा को हटाने की मांग की है। लोकसभा में दिये नोटिस में राहुल गांधी ने सदन की कार्यवाही स्थगित करने की मांग की और कहा कि एसआईटी रिपोर्ट को लेकर सदन में चर्चा होनी चाहिए। लेकिन न अजय मिश्र टेनी को सरकार से बाहर किया गया, न संसद में इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई। बल्कि हंगामा जरूर हुआ, जिसके चलते सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पलटवार करते हुए कहा है कि लखीमपुर हिंसा पर विपक्ष झूठ फैलाने की कोशिश कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अभी जांच चल रही है ऐसे में संसद के नियम के अनुसार इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की जा सकती है। जबकि संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राहुल गांधी के नोटिस पर चुटकी लेते कहा कि कम से कम वो इतना सुधर गए हैं कि लिखित नोटिस दे रहे हैं। उन्होंने कहा, श्लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही है। कम से कम राहुल गांधी इतना तो सुधर गए हैं कि वो लिखित नोटिस दे रहे हैं। पहले तो संसद भी उनके सामने कुछ नहीं था और वो नोटिस नहीं देते थे। कम से कम उन्होंने नोटिस देना तो शुरू कर दिया यह अच्छी बात है। सरकार का बचाव करते ये बयान बतला रहे हैं कि मोदी सरकार को लखीमपुर मामले में चुनावी नुकसान का डर तो है ही, उससे कहीं अधिक डर अब राहुल गांधी के तेवरों से लग रहा है। वैसे भी राहुल गांधी मोदी सरकार को कटघरे में खड़े करने का कोई मौका कहां छोड़ते हैं। जब जवाब न देते बने, तो जनता के सामने साख कम होने का खतरा बढ़ जाता है। इस खतरे से बचने के लिए ही मोदीजी कभी भव्य तरीके से पूजा करते नजर आते हैं, कभी मोर को दाना चुगाते दिखते हैं, कभी गंगाजी में डुबकी लगाते दिखते हैं, कभी सी प्लेन में सवार दिखते हैं। उप्र चुनाव के लिए मोदीजी बार-बार राज्य के दौरे पर आ रहे हैं, आधी-अधूरी योजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं। धर्म का कार्ड चल रहे हैं।

उप्र से अपना रिश्ता मजबूत करने में मोदीजी लगे हैं और राहुल गांधी बार-बार उनके सामने सच का आईना लेकर खड़े हो जाते हैं। कभी उनसे कोरोना काल में हुई मौतों और सरकार की लापरवाही का हिसाब मांगते हैं, कभी बेरोजगारी को लेकर सवाल उठाते हैं। कभी महंगाई पर घेरते हैं और कभी धर्म का पाठ पढ़ा देते हैं। देश में थोक महंगाई दर 16 सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इस पर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तंज कसते हुए ट्वीट किया, नए भारत में महंगाई का नया नाम-टैक्स वसूली।

बहुत कम शब्दों में राहुल गांधी ने मोदी सरकार की पोल खोल दी। आप जानते ही हैं कि लगभग साल भर से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ती रहीं, क्योंकि सरकार ने ईंधन पर जनता से जमकर टैक्स वसूली की। इस वसूली से राजकोष तो भर गया, लेकिन जनता का कोष खाली हो गया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

महिलाओं के स्वावलम्बी बनने से ही भारत बनेगा आत्मनिर्भर :स्वाती सिंह

■ सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में हुआ मातृशक्ति सम्मेलन, मंत्री ने किया 15 हजार महिलाओं का सम्मान

■ कार्यक्रम में उमड़ा महिलाओं का हुजूम, महिला ग्राम प्रधान, महिला खिलाड़ी व स्वयं सहायता समूह की रहीं महिलाएं

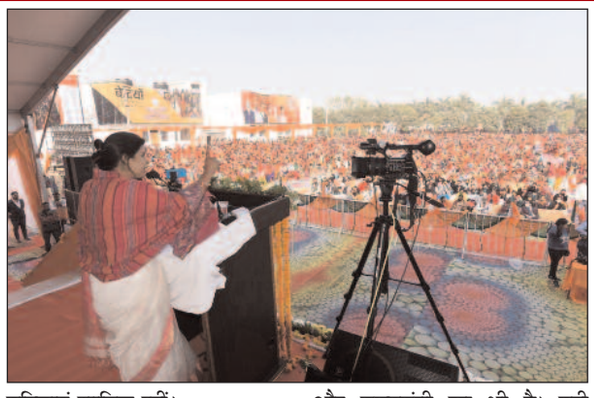

लखनऊ। मैं भी एक नारी हूं, इस कारण हर नारी का दर्द समझती हूं। यही कारण है कि हर एक माता, बहन व बेटी से मिलकर उनका दुःख दर्द बांटती हूं। मेरा सपना है कि हर नारी स्वावलम्बी बने। अपने पैरों पर खड़े हों। इसका हर संभव कोशिश करती हूं। भारत को स्वावलम्बी बनाने के लिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी नारी की पीड़ा को समझते हैं। ये बातें प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक स्वाती सिंह ने कही।

वे अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन को सम्बोधित कर रही थीं। इस आयोजन में सुबह से ही महिलाओं का रेला लगा रहा। इसमें 15 हजार महिलाओं को साड़ी, सेनेटरी पैड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दौरान स्वयं सहायता समूह, महिला प्रधान, महिला खिलाड़ी सहित अपने-अपने क्षेत्र में उपलब्धि हासिल कर चुकीं महिलाएं शामिल रहीं।

भावनाओं से जोड़ने का किया प्रयास

स्वाती सिंह ने इस मौके पर ने महिलाओं को भावनाओं से खूब जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मैं एक परिवार की माता, बहन व बेटियों से मिलना चाहती थी। यह कोई कार्यक्रम नहीं है, यह सिर्फ मिलन का तरीका है। इसी बहाने आपसे संवाद कर रही हूं। ये मेरा सपना है कि एक-एक मातृशक्ति को को ऐसा बना दिया जाय कि वह न्यूनतम आय कर सके। यह सपना हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का भी है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री ने जो भी योजनाएं लाये, वह उसमें मातृशक्ति को सशक्त बनाने के लिए था। आज आप सुरक्षित हैं, क्योंकि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी हैं और प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं।

सरोजनीनगर में पहली बार किसी पार्टी ने महिला को दिया टिकट

उन्होंने कहा कि वह समय था, जब बेटियों के जन्म पर लोग दुखी हो जाते थे लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुमंगला योजना लाकर उस दर्द को दूर कर दिया। आज जितनी योजनाएं चल रही हैं, वह आपको सशक्त बनाने के लिए चल रही हैं। उन्होंने कहा कि ये आपकी शक्ति थी कि यूपी में भाजपा की सरकार बनी। सरोजनीनगर में किसी पार्टी ने टिकट नहीं दिया था लेकिन भाजपा ने पहली बार यहां टिकट दिया और आपने जीता दिया। हमने भी पूरी कोशिश की कि आपके साथ हाथ मिलाकर लगातार चलूं।

माँ-बेटी की तरह खड़ी रहूंगी आपके साथ

उन्होंने कहा कि आप मातृशक्ति के कारण ही मैं यहां खड़ी हूं। बिना संगठन के कोई व्यक्ति खड़ा नहीं हो सकता। मैं विश्वास दिलाना चाहती हूं कि एक बेटी जैसे अपने मां के लिए खड़ी रहती है। वैसे ही मैं हमेशा आपके सामने खड़ी रहूंगी। आप आशीर्वाद दीजिए कि मैं आपके साथ हमेशा खड़ी रहूं। यदि भारत को आत्मनिर्भर बनाना होगा तो आपको आत्मनिर्भर बनाना होगा। आप सब ही इसके आधार है। एक-एक कतरा आपके नाम कर दूंगी। हर सुख-दुख में खड़ी रहूंगी। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री भी मानते हैं कि इस देश को आत्मनिर्भर बनाने का काम मातृशक्ति ही करेंगी।

नाबार्ड के महाप्रबंधक ने कहा विधायक की पहल पर ही सेनेटरी पैड बनवाने व बिक्री की व्यवस्था की

टाटा ट्रस्ट की ओर से सीता सिंह ने माहवारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टाटा ट्रस्ट सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं को माहवारी में स्वच्छता के प्रति को जागरूक कर रहा है। बैंक आफ बड़ौदा के प्रतिनिधि ने बैंक द्वारा किये जा रहे प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी। नाबार्ड उत्तर प्रदेश के महाप्रबंधक दुष्यंत सिंह चौहान ने कहा कि बहुत कम प्रतिनिधि होते हैं, जो अन्य संस्थाओं से संपर्क कर अपने क्षेत्र के विकास के लिए जानना और उनके माध्यम से कार्य कराने के लिए उतावले रहते हैं। स्वाती सिंह ने खुद संपर्क कर हमसे अपने क्षेत्र कार्य करने का आग्रह किया। इसी कारण नाबार्ड ने सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में सेनेटरी पैड महिलाओं से बनवाने व उसकी बिक्री की व्यवस्था की गयी। विजय बहादुर सिंह ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम में विख्यात गायक दीपक, रागिनी व पारूल ने अपने-अपने गीत से समां बांधा।

सपा विधायक ने निर्धन और निराश्रितों को वितरित किए कंबल

संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के डलौना गांव के एस0 के0 पब्लिक स्कूल में एक कार्यक्रम आयोजित कर भीषण सर्दी को देखते हुए निर्धन और निराश्रित व्यक्तियों को नि:शुल्क कंबल वितरण किया गया। रविवार को एस. के. शुक्ला द्वारा आयोजित नि:शुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सपा विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार गरीबों निराश्रितों, मजदूरों और बेरोजगारों के कल्याण का कोई कार्य नहीं कर रही है, सिर्फ पूंजीपतियों को लाभ देने का काम कर रही है। सपा विधायक ने कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों की संख्या में निर्धन और निराश्रित लोगों को नि:शुल्क कंबल वितरित किए। इस अवसर पर गणमान्य लोगों के अलावा काफी संख्या में अन्य लोग भी मौजूद रहे।

ब्रेन स्टॉर्मिंग सेशन ऑन एक्सप्लोरिंग कोऑपरेटिव वर्किंग ऑफ बिजनेस मीटिंग सम्पन्न

संवाददाता

लखनऊ। ब्रेन स्टॉर्मिंग सेशन ऑन एक्सप्लोरिंग कोऑपरेटिव वर्किंग ऑफ बिजनेस की एक दिवसीय मीटिंग डी एंड डी इंटरप्राइजेज के सौजन्य से बंथरा में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर आईटीआई परिसर में संपन्न हुई। इस अवसर पर डॉ एच के द्विवेदी, इंजीनियर आशीष दीक्षित, अरुण कुमार सिंह, राधेश्याम दीक्षित, मयंक सिंह, मिलन यादव, अनुष्का, राजेश सिडाना, शैलेंद्र शर्मा देहात एनर्जी, मृदुलेश आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

अब शिव मन्दिर में होगा गीता गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

गोण्डा। कच्चे बाबा आश्रम के सामने इंजीनियर सुरेश दूबे के आवास पर चलने वाले साप्ताहिक गीता गोष्ठी का आयोजन अब प्रत्येक रविवार को दोपहर 12 बजे से मालवीय नगर स्थित शिव मंदिर में आयोजित किया जाएगा। गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए संरक्षक सुरेश दूबे ने कहा कि हाल के वर्षों में गीता का भव्य वार्षिकोत्सव होने के बावजूद गीता प्रवचन व महात्म्य चर्चा का साप्ताहिक कार्यक्रम अव्यवस्थित हो गया था। शिव मन्दिर नगर के मध्य होने से विद्वान आध्यात्म प्रेमियों को गोष्ठी में शामिल होने में सुविधाजनक सिद्ध होगी। गोष्ठी के संरक्षक विचारक जनार्दन सिंह व आयोजन का दायित्व समाजसेवी धीरेन्द्र पाण्डेय को सौंपा गया। इस मौके पर चर्चा से ही पूर्व गीता का पूजन व योगेश्वर श्री कृष्ण की वन्दना की गई। गोष्ठी की चर्चा में कुन्दन सिंह राजेश दूबे आलोक शुक्ला विवेक तिवारी एवं उत्तम शुक्ल पक्ष शामिल रहे।

विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया होना निश्चित.... मोहम्मद अली

संवाददाता, रुदौली -अयोध्या रुदौली विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के टिकट के दावेदार पूर्व जिला पंचायत सदस्य वरिष्ठ सपा नेता मोहम्मद अली ने अपने दर्जनों साथियों के साथ रूदौली विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों का क्षेत्र भ्रमण किया।इस दौरान सपा नेता मोहम्मद अली ने कहा कि जबसे बीजेपी सरकार आई है तब से जनता मे त्राहि त्राहि मची हुई है।बीजेपी सरकार द्वारा की गई नोटबंदी से सबसे अधिक कठिनाई गरीब, आम जनता को ही झेलनी पड़ी।सपा नेता ने कहा कि सपा सरकार में अखलेश यादव के कार्यकाल में जितना विकास कार्य हुआ है।उसके बाद बीजेपी की सरकार के पांच साल के कार्यकाल में प्रदेश में कोई भी विकास कार्य नहीं हुआ है।कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में पूरे प्रदेश मे सड़कों का जाल बिछाया गया।गांव गांव को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ा गया और पूरे प्रदेश में कानून का राज था लेकिन पांच वर्ष के भाजपा की सरकार में दलितों ,पिछड़ों को हक एवं अधिकार नहीं दिया गया है और पूरे प्रदेश में जंगलराज कायम है।उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार मे दलितों एवं पिछड़ों को सम्मान नहीं मिला है।

योगी सरकार में हो चुका है सड़कों का कायाकल्प :नितिन गडकरी

संवाददाता

बिजनौर। माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री भारत सरकार नितिन गडकरी ने चांदपुर के गुलाब सिंह हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने न्याय, एकता एवं नैतिकता के लिए मापदंड देने वाले महात्मा विदुर को प्रणाम करते हुए महाभारत में उनके योगदान का उल्लेख किया तत्पश्चात मानव जीवन में रामायण और महाभारत की अहम भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहां कि यही दोनों पौराणिक ग्रंथ भारतीय संस्कृति के आधार स्तंभ है ।

उन्होंने सरकार के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़कें ही विकास का रास्ता तय करती और देश को समृद्धि की ओर ले जाती हैं। इस अवसर पर उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन कैनेडी के बात का उल्लेख किया तथा भारत में बन रहे राष्ट्रीय राजमार्ग के बारे में बताते हुए कहा की दिल्ली से मेरठ आने के लिए 16 लेन की सड़क बन रही है, जिससे आप 45 मिनट में दिल्ली से मेरठ तक की यात्रा कर सकते है तथा बिजनौर में भी सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है।

उन्होंने कहा कि देश का किसान अन्नदाता नहीं ऊर्जा दाता बनेगा। आज तकनीक का इस्तेमाल करके ही समृद्ध हुआ जा सकता है, आज गन्ने से चीनी नहीं बल्कि ईथेनॉल बनाने का कार्य प्रगति पर है। यह ईथेनॉल डीजल और पेट्रोल का कार्य करेगा इस वैकल्पिक ईंधन की पंप लगाए जाएंगे, जिससे गन्ना किसानों को भविष्य में काफी फायदा होगा। इसी प्रकार चावल से भी ईथेनाल बनाने की प्रक्रिया पर अनुसंधान चल रहा है। उन्होंने कहा आज का युग विज्ञान एवं तकनीक का युग है इस युग में जो भी वैज्ञानिक और तकनीकी तौर पर आगे बढ़ेगा देश ही नहीं विश्व का संचालन उसी के हाथ में होगा।

उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन के भविष्य में उपयोग के बारे में भी बताया कि सरकार की योजना है ग्रीन हाइड्रोजन को वैकल्पिक ईंधन के रूप में उपयोग किया जाए तथा किसानों के लिए ड्रोन टेक्नोलॉजी के द्वारा यूरिया का छिड़काव खेतों में करने के लिए तकनीक का भी उल्लेख किया एवं पराली एवं वेस्ट मटेरियल के उपयोग के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा टेक्नोलॉजी के लिए कार्य किया जा रहा है सरकार टेक्नॉलॉजी ला रही है और समृद्धि कैसे आएगी इस पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

माननीय उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार द्वारा सुशासन और विकास के कार्यों का उल्लेख किया।

आज बिजनौर से जन विश्वास यात्रा को भी हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान, माननीय परिवहन मंत्री स्वतंत्र प्रभार अशोक कटारिया, माननीय सांसद सदस्य संजय भाटिया, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, बीजेपी अध्यक्ष सुभाष बाल्मीकि तथा माननीय विधायक सदर सूची चौधरी, माननीय विधायक चांदपुर कमलेश सैनी, माननीय विधायक धामपुर अशोक राणा , माननीय विधायक नहटौर ओम कुमार, माननीय विधायक बढ़ापुर सुशांत कुमार जी के साथ साथ समस्त बीजेपी पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

करंट की चपेट में आने से झुलसा संविदाकर्मी लाइनमैन

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के रामनगर केवटाही गांव में बिजली बनाते समय करंट के चपेट में आने से एक संविदा कर्मी बुरी तरह से झुलस गया । मौजूद लोगों द्वारा उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर ले जाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बिजौरा पावर हाउस पर अटैच संविदा कर्मी दिनेश सिंह (ठाकुर)निवासी हनुमान सहाय का पूरा रामनगर गांव के ही केवटाही बस्ती में बिजली ठीक कर रहा था। उसी समय वह करंट की चपेट में आ गया। जिससे बुरी तरह झुलस गया। ग्रामीणों द्वारा उसे इलाज के लिए रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। वहीं जानकारी मिली कि बिजली ठीक करने के लिए संविदाकर्मी द्वारा शटडाउन लिया था, लेकिन पावर हाउस की ट्रॉली खराब होने के कारण सप्लाई चालू थी। जिससे वह करंट की चपेट में आ गया।

समाजवादियों ने बैठक कर बनाई रणनीति

राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के संदेशों को जनता तक पहुंचाना ही संगठन का कार्य :राजेश पांडे

कोरांव प्रयागराज। समाजवादी पार्टी कार्यालय कोरांव में समाजवादियों ने बैठक कर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान एवं जिला अध्यक्ष योगेश यादव निर्देश पर झंडा लगाओ अभियान को सफल बनाने के लिए बैठक आहूत कर गांव गांव गली गली झंडा लगाने की रणनीति बनाई गई जिसमें कोरांव विधानसभा के भावी प्रत्याशी ओम सहाय ने हजारों समाजवादी झंडा संगठन को देकर आह्वान किया कि गांव गांव घर घर जाकर झंडा लगाने का काम करिए अगर झंडे की जितनी भी जरूरत होगी और मैं विधानसभा को समाजवादी झंडा से पाट दूंगा वही चर्चीत किसान नेता जिला सचिव समाजवादी पार्टी राजेश पांडेय ने कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के विचारों तथा राज्य सभा सांसद कूवर रेवती रमण सिंह के संघर्षों को जनता तक पहुंचा कर 2022 में समाजवादी सरकार बनाने का निवेदन करना है हम संगठन के सिपाही हैं हमारी नैतिक जिम्मेदारी है शीर्ष नेतृत्व की आवाज जनता तक पहुंचाई जाए कोरांव विधानसभा प्रभारी जिला पंचायत सदस्य सौंमदत्त सिंह पटेल ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आज पूरा क्षेत्र समाजवादी पार्टी ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है उनके पास पहुंचना संगठन का प्रथम कर्तव्य है बैठक में प्रमुख रूप से विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा जिला महासचिव प्रबुद्ध सभा आशीष मिश्रा प्रधान संघ अध्यक्ष रामानुज यादव ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश पटेल नगर अध्यक्ष मेहताब खान साफत अली नौशाद अंसारी पवन सिंघाल प्रशांत सिंह पटेल अशोक विद्यार्थी पवन सोनकर हरि प्रसाद पाल दीपक पटेल यादवेंद्र अहीर हारुन रवि तिवारी के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उत्साहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगाई जाए रोक: लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा

संवाददाता

कैडेट्स के साथ खड़े धीरज शर्मा

स्योहारा। आरएसपी इंटर कॉलेज, एमक्यू इंटर कॉलेज लोकमनी डिग्री कॉलेज स्योहारा के एनसीसी कैडेट्स ने 32 यूपी बटालियन के कमान अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारी के दिशा निर्देशन में गुड गवर्नेंस वीक के अंतर्गत प्लास्टिक के उपयोग तथा साफ सफाई पर समाज को जागरूक किया इस कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा ने विशेष रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की हिदायत दी जिससे प्रदूषण पर भी लगाम लगाई जा सकती है द्य जन-जन को जागरूक करना है कि घर का कूड़ा कचरा तथा प्लास्टिक आदि गली या सड़कों पर न फेंके इसके अतिरिक्त प्लास्टिक के द्वारा सड़क के पास की नालियां अवरुद्ध हो जाती हैं तथा नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगता है जिससे कई बीमारियों का जन्म होता है द्य पॉलीथिन का प्रयोग करने से बचें सभी गांवों एवं कस्बों शहरों में कूड़ा डालने की एक विशेष जगह होती है वहीं पर सभी को कूड़ा डालना चाहिए ना कि हर जगह को कूड़ेदान बनाना चाहिए द्य पर्यावरण के अनुकूल ही उत्पादों का उपयोग किया जाना चाहिएद्य प्रधानाचार्या मधुबाला शर्मा ने कहा कि प्लास्टिक एक मुख्य प्रदूषक के रूप में उभरा है जो धीरे-धीरे कहीं ना कहीं हमारे अस्तित्व को नष्ट करने में लगा है विशेष रूप से पॉलिथीन का उपयोग हमारे लिए हानिकारक है द्य इसके लिए हम सभी को इसके लिए जागरूक होना जरूरी है द्य सभी एनसीसी कैडेट मिलकर प्लास्टिक वेस्ट को एकत्रित कर उसके लिए बने उचित स्थान पर डाल रहे थे साथ ही साथ अन्य लोगों को भी ऐसा करने की सलाह दे रहे थे कैडेट्स के पास हाथों मे स्लोगन लिखी हुई तख्तियां एवं बैनर थे जिन पर समाज को जागरूक करने व प्लास्टिक के उपयोग न करने के स्लोगन लिखे हुए थे इस अवसर पर लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा, प्रधानाचार्या मधुबाला शर्मा, लेफ्टिनेंट मोहम्मद यूनुस चौधरी, कार्यवाहक एनसीसी अधिकारी दीपक कुमार अंडर अफसर दीपांशु, कैडेट रोबिन, कैडेट लिंकित त्यागी,कैडेट,कैडेट नेहा, कैडेट ममतेश, कैडेट हर्ष राजवंश, कैडेट सलोनी, कैडेट दीपेश तथा कैडेट काव्य कौशिक आदि उपस्थित रहे।

विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा शौर्य यात्रा निकाली गई- श्याम जी गुप्त

संवाददाता

शाहाबाद (हरदोई)। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल,शाहाबाद की ओर से एक शौर्य यात्रा राम वाटिका चौक से निकाली गई। जो बस स्टैंड,अल्हापुर,सदर बाजार होते हुए राम वाटिका मैदान में जाकर पूर्ण हुई। शौर्य यात्रा का शुभारंभ अवध प्रांत के उपाध्यक्ष हर्ष वर्धन सिंह ने ध्वज दिखाकर किया। शौर्य यात्रा में आगे आगे मातृ शक्ति की महिलाएं हाथों में ध्वज लेकर चल रही थीं। उनके पीछे विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी ध्वज ले कर जय श्री राम का उद्घोष करते हुए चल रहे थे।जिला उपाध्यक्ष श्याम जी गुप्त ने बताया कि शौर्य यात्रा में भाग लेने वालों में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष कीर्ति सिंह, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अवनीश द्विवेदी, जिला संयोजक अनुराग द्विवेदी, जिला सह संयोजक पवन रस्तोगी, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर, जिला संरक्षक कमलेश देवी, नगर अध्यक्ष पुनीत कनौजिया, उपाध्यक्ष अनिल लाहोरी, सोनपाल, अनिल विश्वकर्मा, सुनील गुप्ता, देवेंद्र प्रताप गुप्ता,अमित विश्वकर्मा आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे।

विधायक प्रतीक भूषण सिंह को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कायस्थ समाज के लोगों ने हर्ष जताया

संवाददाता

गोंडा । 19 दिसंबर को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विवेक मणि श्रीवास्तव के आवास पर कायस्थ समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों व गणमान्य व्यक्तियों की एक बैठक की गई। बैठक में सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कायस्थ समाज के लोगों ने हर्ष जताया। ज्ञात हो कि शासन द्वारा चित्रगुप्त द्वार निर्माण हेतु सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्र में शासन से अनुमति मांगी गई थी, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विवेक मणि श्रीवास्तव ने बताया कि शासन द्वारा सदर विधायक गोंडा के प्रस्ताव को अनुमोदित करते हुए चित्रगुप्त द्वार के निर्माण की अनुमति प्रदान कर दी। श्री श्रीवास्तव ने यह भी बताया दिनांक 24- 12- 2021 को दोपहर 12रू00 बजे गोल्डन फे री रिसॉर्ट के पास सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह द्वारा भूमि पूजन व शिलान्यास चित्रगुप्त द्वार का किया जाएगा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह सम्मिलित होंगे ।बैठक में अनिल श्रीवास्तव,अरविंद श्रीवास्तव उर्फ गप्पू, प्रेम शंकर श्रीवास्तव, शीतला प्रसाद श्रीवास्तव, आइबी श्रीवास्तव, अश्विनी श्रीवास्तव, बृजेश श्रीवास्तव, पंकज सिन्हा, दीपक श्रीवास्तव ने कायस्थ समाज से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने व कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। इस अवसर पर सुधीर श्रीवास्तव,अतुल श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव ,प्रमोद नंदन,विकास श्रीवास्तव, विजित श्रीवास्तव,अरविंद सहाय ,प्रवेश कुमार ,संत प्रसाद सहित सैकड़ों कायस्थ उपस्थित रहे।

कौशलपुरी (खरगापुर) गोमती नगर में जरूरतमंदों को कपड़ों का वितरण किया गया

संवाददाता

लखनऊ। आज दिनांक 19-12-2021 सायं काल 6.30 बजे गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ष्कपड़ा बैंक योजनाष् के अंतर्गत जरूरत मंद एवं गरीबों को कपड़ों का वितरण आलोक मिश्रा, सी जी नायर सेक्रेटरी के कर कमलों से गोमती नगर विस्तार सेक्टर के पास प्रारम्भ करवाया। जिसमे जरूरत मंद बालिकाओं ,वृद्धों ,बच्चों को कपड़ों का वितरण किया गया।इस अवसर पर डॉ राघवेंद्र शुक्ला ने सभी लखनऊ के निवासियों से अपील किया कि लखनऊ वासी आगे आकर अपने अपने घरों से पुराने और निष्कासित (अनयूज्ड) किये गए कपड़ो को दान करें ताकि इस ठंडक के मौसम में कोई भी कपड़ो की कमी के कारण बीमार न पड़ सके। इस कार्यक्रम में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के कई पदाधिकारीगण उपस्थित थे। जिसमें अध्यक्ष के के मौर्या, श्रीमती निर्मला सिंह, श्रीमती उमा सिंह, श्रीमती नीलम, मनोज कुमार वर्मा,सुशील तिवारी तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बंगला साहिब गुरुद्वारे पहुंचीं आलिया भट्ट, अयान मुखर्जी संग टेका माथा

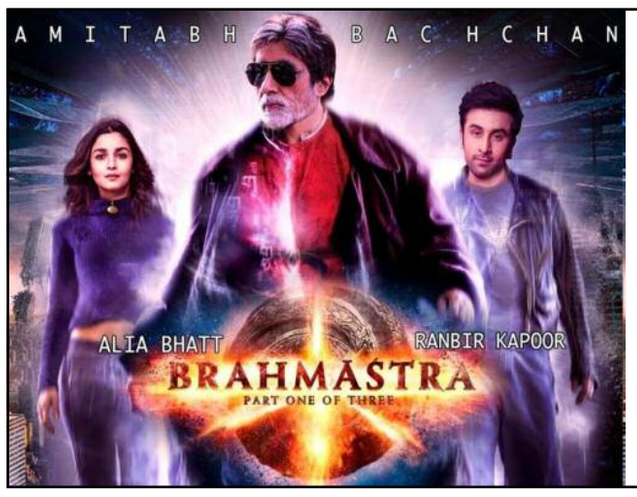

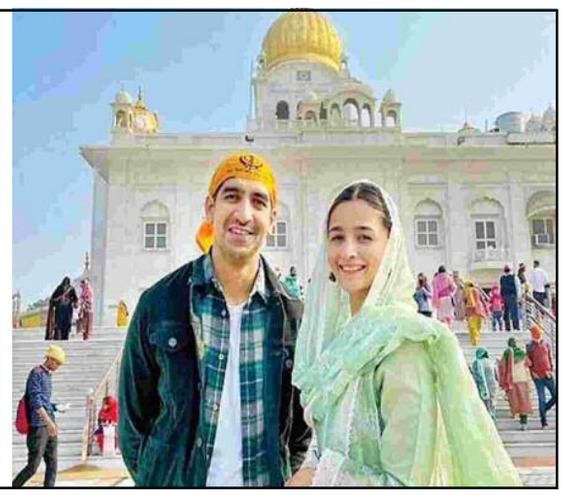

आलिया भट्ट और निर्देशक अयान मुखर्जी बंगला साहिब पहुंचे। जिसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर छाई हुई हैं। आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा कि हैं, जिनमें आलिया और अयान बंगला साहिब गुरुद्वारे के पीछे वाले हिस्से में खड़े नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के कैप्शन में आलिया ने लिखा- आशीर्वाद, आभार, रोशनी। आलिया भट्ट के लुक की बात करें तो इस दौरान एक्ट्रेस सिर पर पल्ला लिए लाइट ग्रीन कलर का सूट पहने नजर आ रही हैं। वहीं अयान मुखर्जी ने शर्ट और जैकेट पहनी हुई है साथ ही एक्टर ने सिर पर रुमाल बांधा हुआ है। वहीं फैंस आलिया की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। जहां आलिया भट्ट ने बंगला साहिब की तस्वीरें पोस्ट की हैं, तो वहीं अयान मुखर्जी ने भी अपने इंस्टा हैंडल से एक फोटो शेयर की है। लेकिन अयान ने एक नोटबुक की फोटो साझा की है जिस पर लिखा है- ब्रह्मास्त्र पोस्टर। अयान मुखर्जी ने ये नोटबुक शिवलिंग के समक्ष रखी हुई है। अयान ने लिखा है कि वह आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। बताते चले, फिल्म ब्रह्मास्त्र में आलिया भट्ट के अलावा रणबीर कपूर लीड रोल प्ले कर रहे हैं। जबकि अमिताभ बच्चन भी फिल्म में अहम किरदार निभा रहे हैं। वैसे तो ये फिल्म लॉकडाउन के पहले से बन रही है, लेकिन फिर कोविड के चलते इसकी रफ्तार में ब्रेक लग गया। वहीं अयान अब इस फिल्म को तीन भागों में रिलीज करेंगे।

अब संजय कपूर की पत्नी और बेटी शनाया कपूर भी हुईं कोविड 19 संक्रमण का शिकार

बीएमसी ने सैनिटाइज की बिल्डिंग

बॉलीवुड स्टार्स के बीच एक बार फिर कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। आलम ये है कि एक के बाद एक सेलेब्रिटी कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। इसी बीच संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर के बाद बुधवार को उनकी बेटी शनाया कपूर को कोरोना पॉजिटिव होने की बात सामने आ रही है। ऐसे में एक ही घर में दो लोगों को कोरोना होने के बाद बीएमसी फौरन चौकन्नी हो गई। वहीं गुरुवार को बीएमसी संजय कपूर की पूरी बिल्डिंग को सैनिटाइज करने पहुंची। बता दें, गुरुवार की सुबह बीएमसी की टीम अभिनेता संजय कपूर के घर पहुंची। इस दौरान बीएमसी की टीम ने जुहू स्थित हिरालय इमारत को पूरी तरह सैनिटाइज किया। दरअसल बीते दिनों एक्टर की पत्नी महीप कपूर के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद अब उनकी बेटी शनाया कपूर की कोविड रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। बुधवार को शनाया कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये खुद के पॉजिटिव होने की बात का खुलासा किय। इस दौरान उन्होंने लिखा, मैं कोविड-19 पॉजिटव पाई गई हूं। मुझमें हल्के लक्षण हैं पर मैं ठीक महसूस कर रही हूं और मैंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। चार दिन पहले किए गए टेस्ट में, मेरी रिपोर्ट निगेटिव आई थी, प्रीकॉशन के लिए जब दोबारा टेस्ट किया तो पॉजिटव आया। मैं डॉक्टर द्वारा दिए गए प्रोटोकॉल को फॉलो कर रही हूं। अगर आप मेरे संपर्क में आए हैं, तो अनुरोध करती हूं कि प्लीज अपना टेस्ट करवा लें। सभी सुरक्षित रहें। मालूम हो संजय कपूर की वाइफ महीप और बेटी शनाया के अलावा करीना कपूर खान, अमृता अरोड़ा, सीमा खान और उनका 10 साल का बेटा भी कोरोना वायरस का शिकार हो गए है। ये सभी लोग आपस में मिले जुले थे, जिसके बाद से सभी एक-एक करके कोरोना संक्रमित पाए जा रहे हैं। दरअसल इन सभी सितारों ने करण जौहर और रिया कपूर के घर पर गेट टुगेदर को अटेंड किया था। वहीं राहत की बात ये है कि मलाइका अरोड़ा, करण जौहर और आलिया भट्ट का कोरोना टेस्ट निगेटिव आया है।

शादी के बंधन में बंधी दिलीप जोशी की बेटी नियति

जेठालाल ने साझा की शादी की खूबसूरत तस्वीरें

टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के जेठालाल यानी दिलीप जोशी की बेटी नियति हाल ही में शादी के बंधन में बंध गई हैं। जी हां, दिलीप जोशी की बेटी नियति की शादी धूमधाम से हुई जिसकी अब अनदेखी तस्वीरें दिलीप जोशी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की है। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में दिलीप जोशी बड़े ही प्यार से अपनी लाडली बेटी को निहारते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं जो तस्वीरें दिलीप जोशी ने शेयर की है उसमें दिलीप जोशी का पूरा परिवार नजर आ रहा है। दिलीप ने इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए अपनी न्यूली मैरिड बेटी और दामाद को नए सफर की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही हमारे जेठालाल ने अपने फैंस, दोस्तों और परिवार वालों को इनके लिए मंगलकामना करने के लिए धन्यवाद कहा है। मशहूर टीवी अभिनेता की बेटी नियति इन फोटोज में लाल और क्रीम कलर की साड़ी पहने नजर आ रही हैं। दुल्हन बनी नियति बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस साड़ी के साथ उन्होंने माथा पट्टी, गले में खूबसूरत हार पहनकर सोलह श्रृंगार किए हैं। मगर इन खूबसूरत तस्वीरों में एक चीज है जो सबसे ज्यादा हर किसी का ध्यान खींच रही है।

रोमांटिक तस्वीर शेयर कर अर्सलन गोनी को सुजैन खान ने किया बर्थडे विश, प्यार से रुमर्ड बॉयफ्रेंड को गले लगाती नजर आई ऋतिक की एक्स वाइफ

कैटरीना कैफ को सेलेब्स ने दिए ये कीमती वेडिंग गिफ्ट्स, एक्स बॉयफ्रेंड सलमान-रणबीर ने दिया

बॉलीवुड

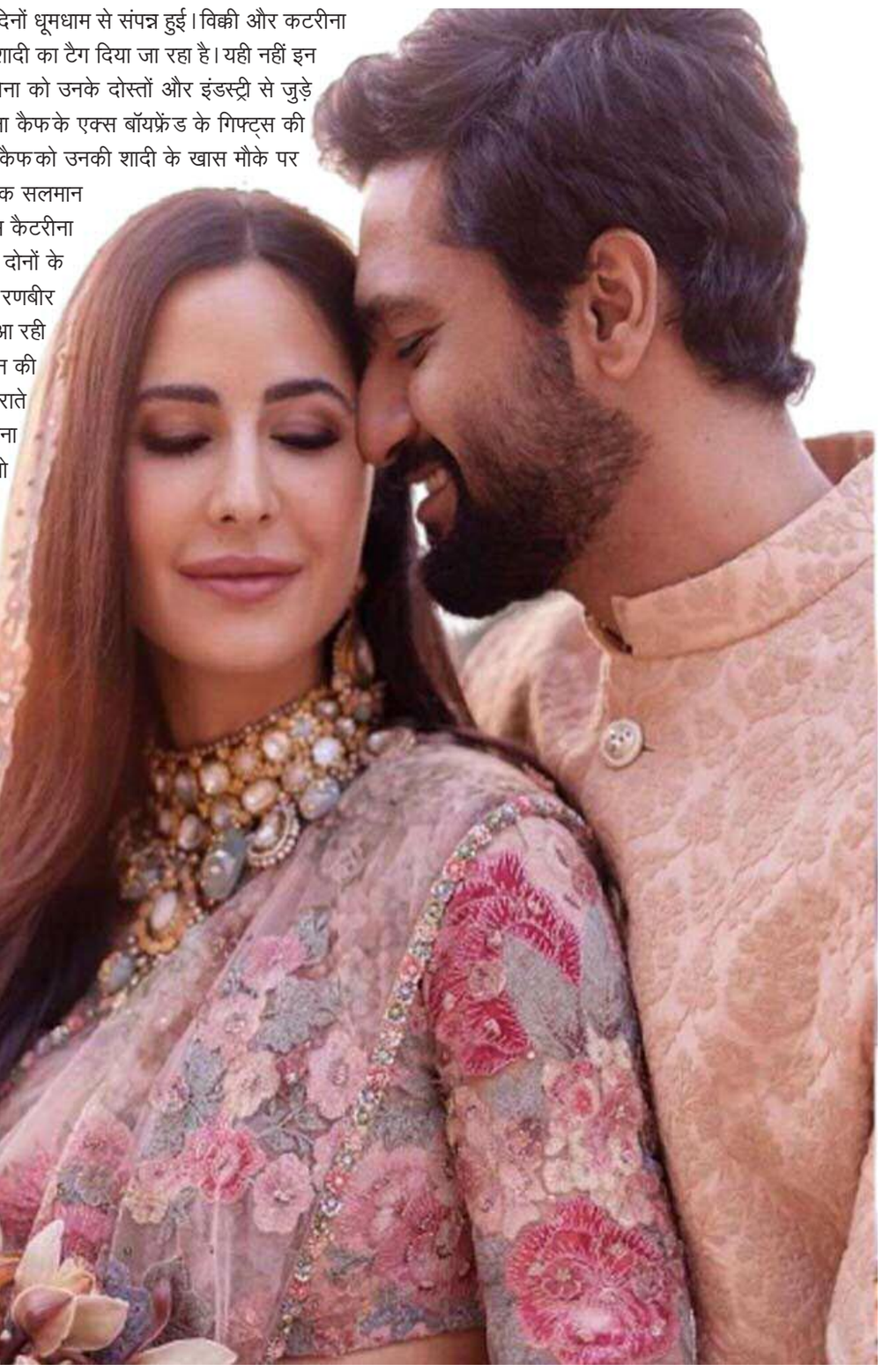

बॉलीवुड का मशहूर कपल विक्की कौशल और कटरीना कैफ की शादी बीते दिनों धूमधाम से संपन्न हुई। विक्की और कटरीना की शादी इतनी ज्यादा शाही थी कि इसे साल 2021 की सबसे महंगी शादी का टैग दिया जा रहा है। यही नहीं इन दोनों सेलेब्स के शादी की एक खास बात यह भी रही की विक्की-कैटरीना को उनके दोस्तों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने खूब महंगे तोहफे दिए हैं। इस दौरान सबसे ज्यादा चर्चा कैटरीना कैफ के एक्स बॉयफ्रेंड के गिफ्ट्स की हो रही है। क्या आपको पता है कि रणबीर कपूर और सलमान खान ने कैटरीना कैफ को उनकी शादी के खास मौके पर क्या गिफ्ट दिया है? अगर नहीं तो चलिए आपको बताते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान ने कटरीना कैफ को 3 करोड़ की रेंज रोवर तोहफे में दी है। सलमान एक्ट्रेस कैटरीना कैफ को किस हद तक पसंद करते हैं ये बात किसी से भी छिपी नहीं है। हालांकि दोनों के बीच ब्रेकअप हो गया हो, लेकिन दोनों के बीच आज भी काफी अच्छा बॉन्ड है। वहीं रणबीर कपूर कि तरफ से कैटरीना कैफ को डायमंड नेकलेस गिफ्ट करने की बात सामने आ रही है और नेकलेस की कीमत 2.7 करोड़ बताई जा रही है। वैसे कैटरीना का सलमान की तरह रणबीर के साथ कुछ खास बॉन्डिंग नहीं है और दोनों एकसाथ आने से कतराते हैं। ऐसे में रणबीर के कैटरीना को गिफ्ट देने की बात में कितनी सच है ये तो कैटरीना कैफ ही बेहतर बता सकती हैं। वहीं अगर बात दूसरे मेहमानों के गिफ्ट्स की करें तो खबर है आलिया भट्ट ने न्यूलीवेड कपल को परफ्यूम का बास्केट गिफ्ट किया है जिसकी कीमत लाखों में है। कैटरीना कैफ की दोस्त और अब होने वाली पड़ोसन अनुष्का शर्मा ने उन्हें 6.4 लाख के डायमंड ईयरिंग्स गिफ्ट किए हैं। जबकि शाहरुख खान के इस नए जोडे को 1.5 लाख की महंगी पेंटिंग तोहफे में देने की बात हो रही है। ऋतिक रोशन कि करें तो उन्होंने विक्की कौशल को सुपरबाइक बीएमडब्लू जी 310 आर गिफ्ट कि है। जिसकी कीमत कीमत 3 लाख है। वहीं तापसी पन्नू ने विक्की कौशल को प्लैटिनम का 1.4 लाख का ब्रेसलेट दिया है। खैर, ये तो हुए सभी सेलेब्स की तरफ से दिए गए गिफ्ट्स। अब ये भी जान लीजिए कि विक्की कौशल ने अपनी नई नवेली दुल्हनिया कैटरीना कैफ को क्या तोहफा दिया। खबरों की माने तो एक्टर ने अपनी वाइफ कैटरीना को 1.3 करोड़ की डायमंड रिंग तोहफे में दी है। वहीं बात कैटरीना कैफ की करें तो एक्ट्रेस ने अपने पति विक्की कौशल की मुंबई में 15 करोड़ का अपार्टमेंट गिफ्ट किया है। हालांकि, इस इन सभी गिफ्ट्स को लेकर कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं है, ये सिर्फ और सिर्फ रिपोर्ट्स के हवाले से जानकारी मिली है।

इंडियन आइडल फेम पवनदीप-अरुणिता ने रचाई सीक्रेट वेडिंग!

शादी के जोड़े में वायरल हुई कपल की तस्वीर ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

'इंडियन आइडल 12' में पवनदीप और अरुणिता कांजीलाल को उनकी गायकी के लिए तो जाना ही जाता है लेकिन फैंस के बीच इन दोनों की जोड़ी सबसे ज्यादा पसंदीदा और चर्चित रही। इंडियन आइडल में पवनदीप और अरुणिता के बीच की केमिस्ट्री लोगों को बेहद पसंद आई थी जिसके बाद इन दोनों का नाम एक साथ जोड़ा जाने लगा। इंडियन आइडल शो के अलावा बाहर भी ये जोड़ी खूब चर्चा में रहती है।

इसी बीच अरुणिता कांजीलाल और पवनदीप राजन की एक तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। तस्वीर में दोनों दूल्हा-दुल्हन बने दिख रहे हैं।

लुक की बात करें तो अरुणिता मेहरून लहंगे में दिख रही हैं। मांग टीका, हैवी नेकलेस में अरुणिता बेहद प्यारी लग रही हैं। वहीं पवनदीप पिंक शेरवानी में दिख रहे हैं। उन्होंने पिंक पगड़ी बांध रखी हैं।

दोनों ने गले पिंक फूलों की माला पहनी है। दोनों के गले में जयमाला पड़ी है और देखने में लग रहा है कि वे शादी के मंडप में हैं और फेरे लेने जा रहे हैं। इस तस्वीर दोनों को यूं मैरिड कपल बने देख खुश भी हुए होंगे और कंफ्यूज भी। सोच रहे होंगे जो देखा है वो सच है या भ्रम तो हम आपको इस तस्वीर का सच बताते हैं।

फिलहाल आपको बता दें कि ये फोटो सच नहीं है और यह किसी शूट का हिस्सा भी नहीं है। इसे एडिट करके इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है और कैप्शन में लिखा गया है कि क्या आप इनको ऐसे देखना चाहते हैं, इस पोस्ट के जवाब में ज्यादातर यूजर्स 'हां' कह रहे हैं।

पिछले दिनों ही पवनदीप और अरुणिता के बीच मनमुटाव की बात सामने आई थी। ये सारा मामला तब सामने आया जब अरुणिता ने पवनदीप राजन के म्यूजिक वीडियो में काम करने से मना कर दिया था जबकि पहले वो काम करने को राजी हुई थीं। दोनों के बीच क्या टेंशन हुई इसकी जानकारी तो अभी तक सामने नहीं आई है। ऐसी भी खबरें हैं कि पवनदीप और अरुणिता के बीच सब ठीक है और दोनों अब भी दोस्त हैं।

बालों में केराटिन ट्रीटमेंट कराने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

हर महिला सिल्की और शाइनी बाल **चाहती है। कुछ महिलाओं के बाल नेचुरली स्ट्रेट होते हैं, उन्हें सीधा** कराने की जरूरत नहीं होती है। **वहीं कुछ बालों को स्ट्रेट करने के लिए हेयर स्टाइलिंग टूल्स का** इस्तेमाल करती हैं। लगातार स्ट्रेट क**राने से बालों की क्वालिटी खराब हो जाती है। ऐसे में बालों को स्ट्रेट** और शाइनिंग रखने के लिए केरा**टिन ट्रीटमेंट करा सकते हैं। केराटिन आपके स्ट्रेट बालों को डैमेज** होने से बचाता है। इसके अलावा **आपके बाल हमेशा सेट नजर आते हैं। इन दिनों** केराटिन ट्रीटमेंट लड़कियों **के बीच खूब पॉपुलर हुआ है। हालांकि** ट्रीटमेंट के **बाद बालों की अच्छे से** देखभाल **नहीं करते हैं तो** बाल **जल्दी ही डैमेज** होने **लगते हैं।**

केराटिन ट्रीटमेंट एक तरह का प्रोटीन चेन है जो बालों के टेक्सचर को ठीक करने में मदद करता है। हमेशा किसी एक्सपर्ट्स से इस ट्रीटमेंट को करवाना चाहिए। इस ट्रीटमेंट को कराने के बाद भी बालों का खास खयाल रखना होता है। आइए जानते हैं इन टिप्स के बारे में

पहले हफ्ते में इन बातों का रखें ध्यान

केराटिन ट्रीटमेंट कराने के बाद बालों को कम से कम दो से तीन तक न धोएं। ऐसा करने से बालों में ट्रीटमेंट कम हो जाता है। ट्रीटमेंट के 48 घंटे तक बालों में किसी तरह की गुथ या चोटी नहीं बनानी है। ऐसा करने से ट्रीटमेंट खराब हो सकता है क्योंकि ये परमानेंट नहीं है।

केराटिन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें

केराटिन ट्रीटमेंट के 4 या 5 दिन बाद शैंपू कर सकते है। इस दौरान केराटिन प्रोटीन शैंपू, कंडीशनर और केराटिन हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर आप इन प्रोक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करते है तो बाल झड़ने लगते हैं।

हेयर स्पा जरूरी

केराटिन ट्रीटमेंट के बाद टाइम टू टाइम हेयर स्पा करवाना जरूरी होता है। इससे बालों की क्वालिटी खराब नहीं होती है और डैमेज भी होने से बचे रहते हैं। इस ट्रीटमेंट के बाद बालों को कम से कम फोल्ड करें।

कंडीशनर का इस्तेमाल न करें

केराटिन ट्रीटमेंट कराने के बाद बाल अधिक ऑयली और ग्रीसी हो जाते हैं, इसलिए बालों को धोने के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। आप केराटिन कराते समय अपनी हेयर स्टाइलिस्ट से इस बारे में पहले ही बात कर लें। केराटिन कराने के बाद इन टिप्स को फॉलो करना जरूरी है, वरना बाल आसानी से डैमेज हो सकते हैं।

दौड़ते समय हो रही सांस लेने में तकलीफ तो अपनायें ये टिप्स

आपकी गतिविधियों और परिश्रम के बढ़ने के चलते आपको हवा में हांफना पड सकता है, जो कि काफी सामान्य है। खासकर जब आप एक लंबे ब्रेक के बाद फिर से शुरूआत कर रही हों, या अपनी गति को बढ़ा रही हों। तेजी से सांस लेने से शरीर में ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने में मदद मिलती है, व्यायाम के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड के निर्माण स्तर को कम करने की आवश्यकता होती है। एक बार जब शरीर में ऑक्सीजन की मांग पूरी हो जाती है, तो हमारी सांस सामान्य रूप से वापस आ जाती है। अधिक परिश्रम या ऊचांई पर दौड़ने से भी सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। लेकिन अगर आपकी सांस की समस्या लगातार बनी रहती है, तो ऐसे में आपको अपने डॉक्टर से परामर्श लेने की आवश्यकता होती है। क्योंकि यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकते हैं। इसलिए हम आपको इससे राहत पाने के लिए कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिससे कि रनिंग के दौरान आपको सांस लेने में समस्याओं का सामना न करना पड़े।

वार्म-अप करें

वार्म-अप किसी भी वर्कआउट रूटीन का एक अनिवार्य हिस्सा है, जब आप दौड़ रही होती हैं। तो उस दौरान अपनी गति बढ़ाने से पहले 10-15 मिनट तक स्ट्रेचिंग और हल्की जॉगिंग से मैदान पर अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी और सांस फूलने की समस्या दूर होगी। वार्मअप करने से आपके शरीर का तापमान धीरे-धीरे बढ़ता है। जो शरीर को आसानी से कठोर अभ्यास करने के लिए तैयार करता है। सर्दियों में, ठंडी और शुष्क हवा के कारण वायुमार्ग संकुचित हो जाता है। जिससे सांस लेने में अधिक मुश्किल होती है। ऐसे में वार्म-अप करने से आपको इस समस्या से राहत पाने में मदद मिल सकती है।

श्वास तकनीक का अभ्यास करें

यह सुनिश्चित करने के लिए कि दौड़ते समय आपके फेफड़े शरीर द्वारा आवश्यक ऑक्सीजन ग्रहण कर सकते हैं, इसके लिए कुछ सांस संबंधी एक्सरसाइज करें। सांस संबंधी एक्सरसाइज का अभ्यास करने से आपको फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आपके फेफड़े अधिक ऑक्सीजन ग्रहण करने में सक्षम होंगे।

इसके लिए आप डायाफ्रामिक ब्रीथिंग अल्टरनेट नोस्ट्रिल ब्रीथिंग या नाड़ी शोधन और पर्स्ड-लिप्स ब्रीथिंग और इसके अलावा भी कई अन्य एक्सरसाइज को कर सकती हैं।

लयबद्ध तरीके से सांस लें

एक्सरसाइज करते समय सांस लेने का नियम यह है कि इसे आप अपने मूवमेंट के साथ मिलाएं। एक लयबद्ध पैटर्न (rhythmic pattern) में सांस लेने से आपका शरीर अधिक ऑक्सीजन ग्रहण कर सकता है और आपके शरीर के तनाव को भी कम कर सकता है। इसलिए अपनी एक्सरसाइज के साथ सांस को अंदर लें और छोड़ें। दौड़ते समय आप 3:2 श्वास पैटर्न का पालन कर सकती हैं। आप अपनी गति के अनुसार पैटर्न बदल सकती हैं। जब आप दौड़ रहे हों, तो ऑक्सीजन की जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी नाक के साथ-साथ अपने मुंह से सांस लें।

आयुर्वेद के अनुसार करें त्वचा की देखभाल

आयुर्वेद का जन्म भले ही भारत में हुआ हो, लेकिन इसने पूरे विश्व में अपने नैसर्गिक, सर्वांगीण उपचार से अपनी पहचान क़ायम कर ली है. आयुर्वेद के अनुसार त्वचा सेहत की खिड़की है और इस तथ्य से मुख्यधारा का विज्ञन भी सहमत है. भले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांवली रंगत को पसंद किया जाता हो, लेकिन भारतीय त्वचा की अपनी समस्याएं हैं, जैसे-पिग्मेंटेशन, लाल चकत्ते (स्ट्रॉबेरी स्किन) और हाइपरकेरैटॉसिस. किसी भी त्वचा का उपचार करने की दिशा में सबसे पहला क़दम होगा अपनी त्वचा को जानना. आयुर्वेद लोगों को तीन दोषों में विभाजित करता है: वात, पित्त और कफ़. यह संभव है कि आप में दो दोषों का संयोजन हो. इन कुछ आसान से सवालों का जवाब देकर अपने दोष का प्रकार जानकर अपनी त्वचा की ज़रूरतों को समझ सकती हैं:

आपकी त्वचा का प्रकार है...

a. शुष्क, b. संवेदनशील, c. ऑयली

आपके बाल कैसे हैं?

a. पतले और रूखे, b. सामान्य, c. मोटे

इनमें से आपके व्यक्तित्व की विशेषता क्या है?

a. कलात्मकता, b. नेतृत्व क्षमता, c. दयालुता

आपके शरीर का प्रकार क्या है?

a. पतला, b. सामान्य, c. मोटा

आप आमतौर पर कितने घंटे की नींद लेती हैं?

a. पांच से छह घंटे, b. आठ घंटे, c. आठ घंटे से ज़्यादा

आपके चेहरे का आकार कैसा है?

a. दुबला-पतला, b. अंडाकार/ इकहरा, c. गोल और भरा हुआ

आपको कितना पसीना आता है?

a. मध्यम, b. बहुत अधिक और दुर्गंधयुक्त c. हल्का

ज़्यादातर a: आप वात दोष के अंतर्गत आती हैं. डॉ चंदन एमसी, सीनियर आयुर्वेद फ़िजिशन, आनंदा-इन द हिमालयास के अनुसार,''गर्म तेल से मसाज करना त्वचा को चिकना बनाए रखने में मदद कर सकता है. दिमाग़ और शरीर दोनों की ऊर्जा बनाए रखने के लिए ख़ूब आराम करें.''

ज़्यादातर b: आप पित्त दोष में आती हैं. डॉ चंदन कठोर और सिन्थेटिक कॉस्मेटिक्स से दूर रहने की सलाह देते हैं, क्योंकि आपके दोष के अनुसार आपको मुहांसे होने की संभावना ज़्यादा रहती है. धूप में निकलने से पहले पूरी तैयारी कर लें.

ज़्यादातर c: आपका प्रकार कफ़ दोष है. अपनी मोटाई और तैलीय गुणों के चलते इस प्रकार के अंतर्गत आनेवाली त्वचा में टॉक्सिन्स इकट्ठा होने की ज़्यादा संभावना रहती है. दिन में दो बार अपनी त्वचा को क्लेज़ करें और सप्ताह में एक बार मड पैक लगाएं.

यह संभव है कि जन्म के वक्त आपकी त्वचा का प्रकार कुछ और हो और समय के साथ मौसम, डायट और जीवनशैली से जुड़ी आदतों या प्रदूषण-जैसे, बाहरी तत्वों के प्रभाव से आगे चलकर आपकी त्वचा का प्रकार बदल जाए.

पेट, किडनी, लिवर की बीमारियों के लिए शहद-लौंग

लौंग के पोषक तत्व

लौंग को मसाले के रूप में खाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसमें कई बीमारियों का इलाज करने की क्षमता होती

है। लौंग में मैंगनीज, विटामिन के, आयरन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर पाए जाते हैं।

शहद के पोषक तत्व

अगर बात करें शहद की तो इसमें भी प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम, सोडियम और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व भरे हुए हैं, जो शरीर को रोगों से दूर रखने की क्षमता रखते है।

लौंग और शहद के फायदे

गले की खराश के लिए शहद और लौंग

चिपचिपा होने के कारण शहद गले की खराश को कम करता है और कफ खत्म करने का काम करता है। गले में खराश अक्सर संक्रमण से जुड़ी होती है इसलिए लौंग और शहद को मिलाने से इंफेक्शन और संक्रमण से जुड़े दर्द से राहत मिलती है। यह विधि ग्रसनीशोथ के खिलाफ भी बहुत प्रभावी है।

माउथ अल्सर के लिए शहद और लौंग

लौंग एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक एजेंट है। लौंग मुंह के छालों के कारण दर्द से राहत दिलाने में मदद करता है। लौंग और शहद मिश्रण मुंह के छालों के उपचार के लिए बेहतर तरीके से काम करता है।

लिवर के लिए लौंग और शहद

लौंग में मौजूद यौगिक 'यूजेनॉल' लिवर के लिए फायदेमंद है। लिवर का कामकाज सुधारने के अलावा, लौंग सूजन को कम करके फैटी लिवर की बीमारी से बचा सकता है। यह लिवर स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

इम्यून पावर बढ़ाने में मददगार

शहद और लौंग का मिश्रण इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। इन दोनों चीजों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाकर शरीर को सर्दी-खांसी जैसे इंफेक्शन से बचाने में सहायक होते हैं।

इंफेक्शन से बचाने में सहायक

इन दोनों में कई ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जो शरीर को कई इंफेक्शन से बचाए रखते है। इसमें मौजूद फ्लेवोनॉइड्स हार्ट की बीमारियों से बचाए रखता है। इसके अलावा इसमें इसमें कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं जो एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं।

लाल केले के फायदे

आक्सर आपने बाजार में पीले और हरे केले बिकते हुए देखे होंगे। लेकिन क्या आपने कभी लाल केला खाया है? लाल केले के बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। पीले केले हमारी सेहत के लिए अच्छे होते हैं लेकिन लाल केले के अलग-अलग फायदे हैं। लाल केले पीले केले से आकार में छोटे होते हैं। आज हम आपको लाल केले के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लाल केला हमारी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। जिन लोगों की आंखों की रोशनी खराब है या जिनकी आंखें खराब हैं वे इसका उपयोग कर सकते हैं।

यदि आप दोपहर के भोजन के बाद अक्सर सो जाते हैं, तो इस विधि को अपनाने की कोशिश करें, शरीर ताज़ा हो जाएगा।

लाल केले पोटैशियम से भरपूर होते हैं, जो कैंसर और किडनी की समस्याओं को ठीक करता है। यह बहुत कम कैलोरी वाला भोजन है। यही कारण है कि यह वजन घटाने के लिए इतना अच्छा साबित होता है। इसे खाने से आपका पेट भर जाता है और आपको भूख कम लगती है।

लाल केला खाने से आपका रक्तचाप भी नियंत्रण में रहता है। अगर आपका ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है तो आप इसके लिए लाल केला खा सकते हैं। लाल केला खाने से रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

आज की रेसिपी

रशियन सलाद

जूसी, खट्टे फलों के साथ रिफ्रेशिंग खीरा, पत्तागोभी और ढेर सारे मसालों के कॉम्बिनेशन से तैयार किया जाता है. गाढ़ी दही इसे परफेक्ट रशियन सैलेड को तैयार करके किसी भी चीज के साथ सर्व किया जा सकता है.

सामग्री :

- 1 कप गाढ़ा दही
- 1 मीडियम आलू (उबला हुआ)
- 1/2 सेब
- 1/3 कप अनानास के टुकड़े
- 2 टेबल स्पून अनार के दाने
- 2 टेबल स्पून हरे अंगूर
- 1/2 छोटा खीरा
- 2 टेबल स्पून पत्तागोभी, कद्दूकस
- 2 टी स्पून चीनी
- 1 टी स्पून काली मिर्च पाउडर
- नमक

विधि :

- एक बाउल में दही, चीनी, काली मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर सलाद की ड्रेसिंग तैयार करें.
- अब छीलकर उबले हुए आलू और सेब को छोटे टुकड़ों में काट लें.
- खीरे को कद्दूकस कर लें. इसे निचोड़ कर पानी निकाल दें.
- एक बाउल में सेब, अनानास के टुकड़े, अंगूर, अनार के दाने, कद्दूकस की हुई पत्तागोभी और खीरे को मिलाएं.
- अब मिश्रित फलों और सब्जियों पर तैयार सलाद ड्रेसिंग डालें. ड्रेसिंग के साथ सभी चीजों को अच्छी तरह से टॉस करें ताकि सारी चीजें अच्छी तरह से कवर हो जाएं.
- इसे फ्रिज में कुछ घंटों के लिए रखें, ठंडा परोसें.

विटामिन-ई कैप्सूल के इस्तेमाल करने का सही तरीका

ग्लोइंग स्किन के लिए विटामिन ई कैप्सूल : विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल स्किन पर आसानी से किया जा सकता है। विटामिन ई स्किन को ग्लोइंग बनाने के साथ साथ स्किन को ड्राई होने से बचाता है। विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल रोज रात को सोने से पहले नारियल तेल या फिर बादाम के तेल में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। इससे आपके चेहरे पर ग्लो देखने को मिलेगा।

सनस्क्रीन की तरह विटामिन ई का यूज : धूप में बाहर जाने से पहले आप विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे स्किन को सूरज की किरणों से त्वचा को बचाया जा सकता है। रोज रोज आप विटामिन ई का इस्तेमाल ना करें जब तेज धूप हो तभी विटामिन ई का इस्तेमाल करें।

लिपस्टिक से पहले कैप्सूल का इस्तेमाल : सर्दियों में स्किन के साथ साथ लिप्स भी काफी ड्राई हो जाते है। ड्राई लिप्स पर मैट लिपस्टिक लगाने से लिप्स काफी ड्राई हो जाते हैं। मैट लिपस्टिक लगाने से पहले होठों पर विटामिन ई कैप्सूल लगाकर लिप्स की मसाज करें इससे आप होठ मुलायम हो जाएंगे।

डार्क सर्कल्स : डार्क सर्कल्स किसी भी महिला की खूबसूरती को खराब कर देते हैं। अगर आप डार्क सर्कल्स से परेशान है तो रात को सोने से पहले आंखों के आस पास विटामिन ई ऑयल से मसाज करें। ऐसा करने से डार्क सर्कल कम हो जाएंगे।

बालों के लिए : विटामिन ई ना केवल स्किन के लिए फायदेमंद है बल्कि यह बालों के लिए भी काफी फायदेमंद है। बालों को घन बनाने के लिए विटामिन ई का इस्तेमाल किया जाता है। विटामिन का इस्तेमाल आप नारियल तेल में मिला कर सकते हैं। हेयर वॉश करने के एक दिन पहले बालों में नारियल तेल और विटामिन ई का कैप्सूल मिक्स बालों की अच्छे से मसाज करें।

प्रेगनेंसी में भूल कर भी न खाएं ये फूड

गर्भावस्था के दौरान होने वाली मां को पौष्टिक खाद्य पदार्थ खाने की सलाह दी जाती है। परंतु स्वस्थ आहार खाने के अलावा गर्भवती माताओं को कुछ विशेष पदार्थ खाने से बचना चाहिए। मां जो कुछ भी खाती है उसका सीधा प्रभाव उसके बच्चे पर पड़ता है, इसलिये उसे कुछ भी उल्टा पुल्टा खाने से पहले डॉक्टर से जानकारी ले लेनी चाहिये। हमने आपको कई लेखों में बताया है कि अगर आप मां बनने वाली हों तो, अपनी डाइट में क्या क्या शामिल करें। पर आज हम आपको कुछ ऐसे पदार्थ बताएंगे जो आपको प्रेगनेंसी के दौरान नहीं खाने चाहिये। निषिद्ध खाद्य पदार्थ खतरनाक हो सकते हैं और गर्भपात हो सकता है। यहाँ कुछ खाद्य पदार्थ दिए गए हैं जिन्हें गर्भावस्था के दौरान खाने से बचना चाहिए।

कैफीन : अगर आप कैफीन के बिना कोई काम नहीं कर सकती तो दिन मे सिर्फ दो कप कैफीन ही लें। सबसे अच्छा यह है कि आप कॉफी से पूरी तरह दूरी बना लें। मुंबई की आहार विशेषज्ञ दीपशिखा अग्रवाल कहती हैं, गर्भावस्था के दौरान ज्यादा मात्रा में कैफीन लेना, खासकर पहले तीन महीने के दौरान, मिसकरेज और भ्रूण की दूसरी समस्याओं को जन्म दे सकता है। बेहतर होगा कि आप इसका सेवन संयमित मात्रा में करें।

जंक फूड : प्रेगनेंट महिलाओं को बाहर का जंक फूड नहीं खाना चाहिये खास तौर वह जिसमें मैदा मिला हो। स्ट्रीट फूड से इंफैक्शन का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप ऐसे भोजन खाकर बीमार पड़ जाते हैं तो आपको दवाई का सहारा लेना पड़ेगा। सारे दवाई गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए अच्छे नहीं होते हैं। इसलिए जहां तक हो सके स्ट्रीट फूड से दूर ही रहें। इतना ही नहीं गर्भावस्था के दौरान महिलाओं का इम्युनिटी आमतौर पर सामान्य से कम हो जाता है। इंफैक्शन का शिकार हो जाती हैं।

कच्चे स्प्राउट्स : स्प्राउट्स काफी हेल्दी होते हैं। लेकिन बिना पके हुए स्प्राउट्स प्रेगनेंट औरत के लिये अच्छे नहीं माने जाते। कच्चे स्पाउडस में आपको साल्मोनेला जैसा जीवाणु मिल सकता है। यह बीज से अच्छी तरह से धुला नहीं जा सकता। यह केवल पकाने के बाद ही हटाया जा सकता है।

शराब : शराब का यदा-कदा सेवन करने से कोई परेशानी नहीं होती है। पर अगर आप ज्यादा मात्रा में शराब का सेवन करेंगे तो आपको इससे होने वाली समस्या से सावधान रहना चाहिए। दीपशिखा महिलाओं को चेताते हुए कहती हैं कि गर्भावस्था के दौरान बहुत अधिक मात्रा में शराब पीने से बच्चा और उनके दिमाग का विकास ठीक से नहीं होता है।

ऑइली खाने से बचें : गर्भवती महिलाओं को आपने खाने का बहुत ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। जितना हो सके ऑयली और जंक फूड से दूर रहें, क्योंकि इनमें नमक और शक्कर अधिक मात्रा में होता है और बहुत सारे प्रीजर्वेटिव केमिकल्स भी मौजूद रहते हैं जो गर्भवती महिलाओं और उनके बच्चे पर बुरा असर डाल सकते हैं।

मार्नस लाबुशेन की सेंचुरी, डे-नाइट टेस्ट में ऐसा करने वाले बने पहले बल्लेबाज

एजेंसी, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में शतक जड़ डाला है। एडिलेड में खेला जा रहा यह डे-नाइट टेस्ट मैच है।

मैच के पहले दिन 95 रन बनाकर नॉटआउट लौटे लाबुशेन ने दूसरे दिन जेम्स एंडरसन की गेंद पर चौका लगाकर टेस्ट क्रिकेट का अपना छठा शतक लगाया। डे-नाइट टेस्ट में यह उनका तीसरा शतक था। डे-नाइट टेस्ट में इस तरह से लाबुशेन के खाते में सबसे ज्यादा शतक दर्ज हो गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के असद शफीक को पीछे छोड़ा, जिनके खाते में दो डे-नाइट टेस्ट शतक हैं। लाबुशेन 305 गेंद पर 103 रन बनाकर ओली रॉबिन्सन की गेंद पर आउट हुए, लेकिन पवेलियन लौटने से पहले मेजबान टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। लाबुशेन इस पारी के दौरान काफी लकी भी रहे, उन्हें कुछ जीवनदान मिले, कभी कैच छूटा, तो कभी आउट होने वाली गेंद नोबॉल निकली। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया फिलहाल 1-0 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में खेला गया पहला टेस्ट मैच नौ विकेट से अपने नाम किया था। एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। मार्कस हैरिस महज तीन रन बनाकर आउट हुए, उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर महज चार रन था। इसके बाद लाबुशेन ने डेविड वॉर्नर के साथ मिलकर 172 रनों की साझेदारी निभाई। वॉर्नर 95 रन बनाकर आउट हुए। लाबुशेन ने फिर स्टीव स्मिथ के साथ मिलकर स्कोर 241 तक पहुंचाया। लाबुशेन डे-नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में स्टीव स्मिथ से आगे निकल गए हैं। लाबुशेन ने पांच डे-नाइट टेस्ट मैचों की सात पारियों में 84.57 के शानदार औसत से 592 रन बनाए हैं।

भारत की ओर से पहला टेस्ट शतक

स्टेडियम में मौजूद कुछ महिलाओं ने लाला अमरनाथ पर बरसाए थे जेवर

एजेंसी, नई दिल्ली। 1932 में भारतीय टीम ने अपना पहला टेस्ट मैच खेला था और 1933 में भारत में पहला टेस्ट मैच खेला गया था। भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच 25 जून 1932 को लॉर्ड्स के मैदान पर खेला था, जबकि भारत में पहला टेस्ट मैच 1933 में 15 दिसंबर से खेला गया था।

मैच मुंबई (तब बॉम्बे) के जिमखाना स्टेडियम में खेला गया था और इस मैच में भारत की ओर से पहला टेस्ट शतक लाला अमरनाथ के बल्ले से निकला था। भारत की ओर से डेब्यू मैच खेल रहे अमरनाथ ने दूसरी पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों को काफी परेशान

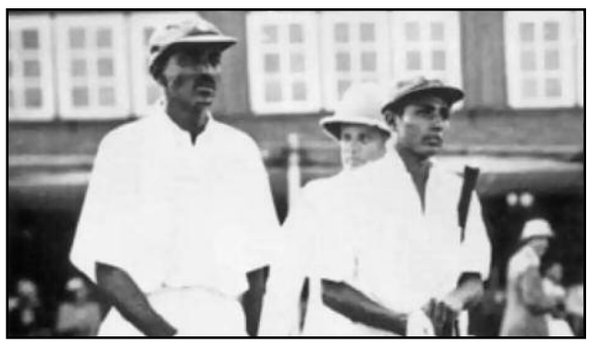

किया था। मैच के तीसरे दिन अमरनाथ के बल्ले से शतक निकला था। उन्होंने 185 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 118 रनों की पारी खेली थी। अमरनाथ की इस पारी का भारतीय क्रिकेट पर भी गहरा प्रभाव पड़ा और आजतक इस पारी को याद किया जाता है। अमरनाथ जब आउट होकर मैदान से लौट रहे थे, तब स्टेडियम में मौजूद कुछ महिलाओं ने उनकी तरफ जेवर भी फेंके थे। भारत के कप्तान उस समय सीके नायुडू थे, जिन्होंने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। पहली पारी में भारतीय टीम महज 219 रनों पर सिमट गई थी। पहली पारी में भी भारत की ओर से बेस्ट स्कोरर लाला अमरनाथ ही थे, जिन्होंने 38 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने 438 रन बना डाले।

ब्रायन वैलेन्टाइन ने 136 रनों की पारी खेली थी। भारत ने जवाब में 21 रनों तक दो विकेट गंवा दिए थे। दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे, लेकिन कप्तान नायुडू के साथ मिलकर अमरनाथ ने पारी को संभाला। दोनों ने 186 रनों की साझेदारी निभाई। नायुडू 67 रन बनाकर आउट हुए। इन दोनों के अलावा विजय मर्चेन्ट ने 30 रनों की पारी खेली थी। लाला अमरनाथ की सेंचुरी के दम पर भारत इस मैच में पारी की हार से बच गया। भारत दूसरी पारी में 258 रनों पर ऑलआउट हुआ और इंग्लैंड को जीत के लिए 40 रनों का लक्ष्य मिला। इंग्लैंड ने एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और मैच नौ विकेट से अपने नाम कर लिया। लाला अमरनाथ के टेस्ट करियर का यह इकलौता शतक था। उन्होंने भारत के लिए 24 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 24.38 की औसत से 878 रन बनाए।

रिहैब के लिए एनसीए पहुंचे रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा

क्या हो पाएगी ओडीआई सीरीज के लिए टीम में वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम दक्षिण अफ्रीका पहुंच चुकी है और अगले सप्ताह वनडे टीम की घोषणा भी हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद टीम इंडिया को 19 जनवरी से तीन मैचों की वनडे इंटरनैशनल सीरीज भी खेलनी है। रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा दोनों ही टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। जडेजा न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे, जबकि रोहित मुंबई में दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए तैयारी के लिए लगाए गए कैंप में प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हुए थे। रोहित को टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि वनडे टीम की कप्तानी सौंपी गई है। रोहित और जडेजा दोनों फिलहाल बेंगलुरु में नैशनल क्रिकेट एकैडमी (एनसीए) में रिहैब के लिए पहुंच गए हैं। दोनों ही वनडे टीम में वापसी करने पर नजर गड़ाए हुए हैं। रोहित के लिए दक्षिण अफ्रीका में होने वाली वनडे सीरीज काफी अहम होगी, क्योंकि फुल टाइम कप्तान के तौर पर यह उनकी पहली वनडे सीरीज होगी। रोहित को टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद टी20 टीम की कमान सौंपी गई थी। न्यूजीलैंड के खिलाफघरेलू टी20 सीरीज में रोहित की कप्तानी में भारत ने 3-0 से क्लीनस्वीप किया था। अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम के कप्तान यश धूल ने एनसीए में रोहित और जडेजा के साथ फोटो शेयर की है। रोहित के टेस्ट सीरीज से बाहर होने के बाद काफी विवाद सा छिड़ गया था, क्योंकि इसके तुरंत बाद ऐसी खबरें आईं कि विराट कोहली वनडे सीरीज से नाम वापस

लेना चाहते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर लोग कमेंट्स करने लगे कि ऐसा लग रहा है कि रोहित और विराट एक-दूसरे की कप्तानी में खेलने से कतरा रहे हैं। विराट ने हालांकि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले साफ कर दिया था कि रोहित के साथ उनका कोई मनमुटाव नहीं है।

पाकिस्तान के स्टार ओपनर मोहम्मद रिजवान ने रचा इतिहास, बाबर संग साझेदारी से तोड़े कई रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली। मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम ने बल्ले से अभिनय किया क्योंकि पाकिस्तान ने गुरुवार को यहां नेशनल स्टेडियम में तीसरे और अंतिम टी 20 आई में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। 208 रनों का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही और सलामी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने पहले छह ओवरों में 60 रन जोड़े। हाफवे के निशान पर, पाकिस्तान का स्कोर 98/0 था, मेजबान टीम को अंतिम 10 ओवरों में जीत के लिए 110 रनों की आवश्यकता थी। कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान पिछले दो सालों से खेल के सबसे छोटे प्रारूप में पाकिस्तान की सफलता की कुंजी हैं। बाबर-रिजवान की जोड़ी ने गुरुवार को भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए खेल के सबसे छोटे प्रारूप में बड़ा रिकॉर्ड बनाया। दोनों ने राहुल और रोहित को पीछे छोड़ते हुए टी20 ई में अपना छठा 100 से अधिक रन का स्टैंड दर्ज किया, केएल राहुल और रोहित शर्मा के पास टी20 ई में पांच 100 रन का

स्टैंड दर्ज हैं। बाबर और रिजवान ने कराची में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। वेस्टइंडीज के खिलाफ कराची के नेशनल स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 में पाकिस्तान के स्टार ओपनर मोहम्मद रिजवान ने इतिहास रच दिया। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान एक कैलेंडर वर्ष में पुरुषों के टी20 2000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। उन्होंने कराची में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान मील का पत्थर हासिल किया, जिसे पाकिस्तान ने गुरुवार को सात विकेट से जीत लिया। उन्होंने पाकिस्तान के लक्ष्य का पीछा करते हुए 11वें ओवर में यह उपलब्धि हासिल की। पाकिस्तान ने 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में तीन विकेट पर 208 रन बनाए और रिजवान ने 45 गेंदों में 87 रन बनाए। उनकी धमाकेदार पारी में 10 चौके और तीन छक्के भी शामिल थे। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और कप्तान बाबर आजम के बीच बड़ी शतकीय साझेदारी की मदद से पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को गुरुवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में सात विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। वेस्टइंडीज की टीम में कोविड-19 के नये मामले पाये जाने के बाद इस मैच के आयोजन पर खतरा मंडरा रहा था लेकिन आखिर में इसमें रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीम के बीच हालांकि तीन मैचों की वनडे श्रृंखला जून 2022 तक स्थगित कर दी गयी है। पाकिस्तान के सामने 208 रन का लक्ष्य था। रिजवान ने 45 गेंदों पर 10 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 87 रन बनाये जबकि बाबर ने 53 गेंदों पर 79 रन की पारी खेली जिसमें नौ चौके और दो छक्के शामिल हैं। इन दोनों ने पहले विकेट के लिये 158 रन की साझेदारी की जिससे पाकिस्तान ने तीन विकेट खोकर सात गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर दिया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 207 रन बनाये थे। उसकी तरफ से कप्तान निकोलस पूरण ने 37 गेंदों पर दो चौकों और छह छक्कों की मदद से 64 रन बनाये। उनके अलावा शमर्थ ने 49, ब्रेंडन किंग ने 43 और डेरेन ब्रावो ने नाबाद 34 रन का योगदान दिया।

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे श्रृंखला स्थगित

एजेंसी, कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और क्रिकेट वेस्ट इंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कैरेबियाई टीम में कोविड-19 के कई पॉजिटिव मामले पाये जाने के बाद गुरुवार को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला स्थगित कर दी। पीसीबी और सीडब्ल्यूआई ने कराची में तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच के दौरान संयुक्त बयान जारी करके कहा कि बुधवार को आरटी-पीसीआर परीक्षणों के परिणाम आने के बाद कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों की संख्या नौ पहुंच गयी है। संयुक्त बयान में कहा गया है, ''टीम के हितों तथा वनडे के लिये वेस्टइंडीज दल में सीमित संसाधनों को देखते हुए वनडे श्रृंखला को जून 2022 तक स्थगित करने पर सहमति बनी। यह श्रृंखला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है।'' इसके अनुसार, ''इससे वेस्टइंडीज को भी विश्व कप क्वालीफिकेशन मैचों में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को

उतारने का समान मौका मिलेगा। '' वेस्टइंडीज के जिन खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है वे तीसरा टी20 समाप्त होने के बाद गुरुवार को ही स्वदेश रवाना हो जाएंगे। बयान में कहा गया है, ''जिनका परीक्षण पॉजिटिव आया है वे कराची में पृथकवास की अवधि पूरी करेंगे। इसके बाद उनकी यात्रा की व्यवस्था की जाएगी ताकि वे क्रिसमस अपने परिजनों के साथ मना सकें।'' वेस्टइंडीज इस टी20 और वनडे दौरे के लिये 21 सदस्यीय टीम लेकर आया था लेकिन तीसरे टी20 मैच के लिये उसके केवल 14 खिलाड़ी ही उपलब्ध थे। उसके छह खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफके तीन सदस्यों का कोविड-19 के लिये परीक्षण पॉजिटिव आया है जबकि एक खिलाड़ी डेवोन थॉमस पहले टी20 मैच में उंगली में चोट लगने के कारण बाहर है। इससे पहले दिन में तीसरे टी20 मैच के आयोजन को लेकर भी संदेह पैदा हो गया था क्योंकि वेस्टइंडीज बोर्ड ने पुष्टि की कि वनडे कप्तान शाई होप, बायें हाथ के स्पिनर अकील हुसैन और आलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स के अलावा सहायक कोच रोडी एस्टविक और टीम के चिकित्सक डा. आकाशी मानसिंह सभी का परीक्षण पॉजिटिव आया है। इससे पहले नौ दिसंबर को काइल मायर्स, शेल्डन कोटरेल और रोस्टन चेज के परीक्षण पॉजिटिव पाये गये थे।

रविवारीय क्रिकेट मैच रेलवे प्रयागराज

संवाददाता

प्रयागराज । 19 दिसम्बर 2021को दीक्षित कोचिंग व उमरे एकादश के बीच उमरे क्रिकेट ग्राउंड में एक दोस्ताना टी 20 क्रिकेट मैच खेला गया। दीक्षित कोचिंग ने टास जीता व पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। 20 ओवरों में 117 रन 08 विकटों पर बना कर एक आसान लक्ष्य दिया। दीक्षित कोचिंग की और से अंकुश ने 40 व भास्कर ने 20 रन बनाए। विजय दिववेदी ने 02 ओवरों में 10 दिन देकर 02 विकेट लिए।

अन्य गेंदबाजों, अरविंद, गोलू,मोहन,विनीत व डा. अनिल ने एक एक विकेट लिया। उत्तर में उत्तर मध्य रेलवे एकादश को दीक्षित कोचिंग की अच्छी गेंदबाजी व क्षेत्ररक्षण से आखिरी ओवर तक जूझना पड़ा व 19.02 ओवरों में पांच विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त किया। बल्लेबाजी करते हुए मोहन ने महत्वपूर्ण 26 रन बनाए।

विनीत सिंह व फैजल ने 50 व 11 रन बनाए और अतं तक आउट नहीं हुए। दीक्षित कोचिंग की और से क्रिश ने 04 ओवरों में 12 रन देकर तीन विकेट लिए। फैजल ने तीन कैच देकर व अतं तक बल्लेबाजी कर दिए योगदान के लिए मैन आफ द मैच घोषित किया गया।

विराट कोहली से जुड़े सवाल को टाल गए सौरव गांगुली

इस मामले से ठीक तरीके से निपटेगा बीसीसीआई

एजेंसी, नई दिल्ली। बीसीसीआई और विराट कोहली के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले विराट कोहली के दावे के बाद से भारतीय क्रिकेट में बवाल मचा हुआ है। विराट कोहली ने वनडे की कप्तानी से हटाने को लेकर कुछ ऐसे दावे की है जो बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के बयान से बिल्कुल अलग थे। इसके बाद माना जा रहा है कि बीसीसीआई और विराट कोहली आमने-सामने हैं। इसी को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली से प्रतिक्रिया

मांगी गई हालांकि सौरव गांगुली ने विराट कोहली से जुड़े सवालों को टाल दिया। इससे पहले कोहली ने गांगुली के बयान के संदर्भ में कहा था, ''जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है।'' सौरभ गांगुली ने पत्रकारों से कहा कि मेरे पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है। हम इससे निपटेंगे। इसे बीसीसीआई पर छोड़ दें। कुल मिलाकर कहें तो गांगुली ने साफतौर पर कह दिया कि पूरे प्रकरण पर अब बीसीसीआई सही तरीके से निपटेगा। विराट कोहली और सौरव गांगुली के बयानों को लेकर हर तरफ बवाल मचा हुआ है। दावा किया जा रहा है कि बोर्ड और कोहली के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। विराट कोहली के दावे सौरव गांगुली के दावे के बिल्कुल विपरीत है। ऐसे में कई सवाल उठ रहे हैं और सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर यहां कौन झूठा है और कौन सच्चा है? भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने बुधवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें कभी टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार करने को नहीं कहा जैसा कि बोर्ड ने दावा किया है और आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम चयन से 90 मिनट पहले उन्हें एकदिवसीय टीम की कप्तानी से हटाया गया। कोहली ने कहा, ''जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है। '' उन्होंने कहा, ''आठ दिसंबर को टेस्ट श्रृंखला के लिए चयन बैठक से डेढ़ घंटा पहले मेरे साथ संपर्क किया गया और इससे पहले टी20 कप्तानी को लेकर मेरे फैसले की घोषणा के बाद से मेरे साथ कोई संपर्क नहीं किया गया था। '' कोहली ने कहा, ''मुख्य चयनकर्ता ने टेस्ट टीम पर चर्चा की जिस पर हम दोनों सहमत थे। बात खत्म करने से पहले मुझे बताया गया कि पांच चयनकर्ताओं ने फैसला किया है कि मैं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान नहीं रहूंगा जिस पर मैंने कहा 'ठीक है, कोई बात नहीं'।'' गांगुली ने कहा था कि कोहली के टी20 कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार नहीं करने के कारण चयनकर्ताओं को सीमित ओवरों के प्रारूप में रोहित को एकमात्र कप्तान बनाना पड़ा क्योंकि दो प्रारूपों में दो अलग कप्तान होने से नेतृत्वक्षमता का टकराव हो सकता था। बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने कहा था, ''हमने विराट से आग्रह किया था कि वह टी20 कप्तानी नहीं छोड़े लेकिन वह कप्तान के रूप में बरकरार नहीं रहना चाहता था। इसलिए चयनकर्ताओं ने महसूस किया कि सीमित ओवरों के दो प्रारूप में दो कप्तान नहीं हो सकते। इससे नेतृत्वक्षमता का टकराव हो सकता है।'' रोहित को खराब फॉर्म से जूझ रहे अजिंक्य रहाणे की जगह भारतीय टेस्ट टीम का उप कप्तान भी बनाया गया था।